सांध्य दैनिक

नई दृष्टिबिंदु

सच की शक्ति, जनता की दृष्टि

PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

वर्ष-01 अंक-119 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 19 मई 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

सु-विचार

" ज्यादा सोचना भी एक जहर है इसलिए उतना ही सोचे, जितना जीवन जीने के लिए जरूरी है...!! "

अज्ञात...

वरिष्ठ पत्रकार यशवंत साहू बने 'नई दृष्टिबिंदु' के सलाहकार संपादक

भिलाई टाइम्स के फाउंडर हर रविवार लिखेंगे समसामयिक विषयों पर, टीम को मिलेगा मार्गदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

सांध्य दैनिक 'नई दृष्टिबिंदु' की टीम को बड़ी सफलता मिली है। भिलाई टाइम्स के फाउंडर और वरिष्ठ पत्रकार यशवंत साहू ने सलाहकार संपादक के तौर पर टीम को मार्गदर्शन देने की सहमति दी है।

यशवंत हर रविवार अपनी लेखनी से ज्वलंत और समसामयिक विषयों पर पाठकों से रूबरू होंगे। 'नई दृष्टिबिंदु' के प्रकाशक और संपादक आलोक तिवारी ने यशवंत साहू का आभार जताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि पाठकों और टीम को यशवंत के लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा।

टीम ने यशवंत के जुड़ने को अखबार के लिए महत्वपूर्ण बताया। इससे संपादकीय गुणवत्ता और पाठकों तक पहुंच दोनों मजबूत होने की उम्मीद है।

90 पैसे फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम, आम आदमी के जेबों में पड़ा असर

4 दिन पहले 3 रुपए बढ़ी थी कीमतें ,अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आया उतार-चढ़ाव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-भिलाई

देश में पेट्रोल और डीजल आज से औसतन 90-90 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। बढ़ी हुई कीमतें मंगलवार की सुबह लागू हो गए हैं। बड़ी हुई कीमतों का असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ता दिख रहा है। कीमतें बढ़ने के बाद छत्तीसगढ़ में पेट्रोल की औसतन कीमत 104.32 रुपए प्रति लीटर और डीजल की औसतन कीमत 97.38 रुपए प्रति लीटर हो गई है।

बता दें इससे पहले 15 मई को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। पांच दिन के भीतर ईंधन के दामों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने के बाद दुर्ग भिलाई सहित प्रमुख शहरों में नई कीमतें लागू कर दी गई हैं। दुर्ग भिलाई में पेट्रोल 104.82 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.86 रुपए प्रति लीटर हो गई है। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में पेट्रोल 104.81 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 97.85 रुपए प्रति लीटर हो गया है। इसी प्रकार दक्षिण छत्तीसगढ़ यानी बस्तर में पेट्रोल 104.93 रुपए प्रति लीटर और डीजल की कीमत 99.20 रुपए प्रति लीटर हो गई है।

छग में पेट्रोल-डीजल का भरपूर स्टॉक, बढ़ी मांग के बीच सरकार अलर्ट

छत्तीसगढ़ में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर राज्य सरकार ने स्थिति पूरी तरह सामान्य बताते हुए कहा है कि प्रदेश में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है और आम उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की घबराने की आवश्यकता नहीं है। राज्य में वतर्मान में 3 करोड़ 28 लाख 68 हजार लीटर पेट्रोल तथा 7 करोड़ 75 लाख 71 हजार लीटर डीजल उपलब्ध है। खाद्य विभाग के संचालक आज सभी ऑयल कंपनियों के साथ समीक्षा बैठक कर उन पेट्रोल पंपों तक जहां स्टॉक की कमी की स्थिति बन रही हो वहां प्राथमिकता में पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों या भ्रम से प्रभावित होकर पैनिक बाइंग अथवा अनावश्यक भंडारण न करें। सरकार द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि उपभोक्ताओं को आवश्यकता अनुसार सुगमता से पेट्रोल और डीजल उपलब्ध हो सके। अधिकारियों ने बताया कि बढ़ी हुई मांग को देखते हुए ऑयल कंपनियों के लखौली और मंदिरहसौद (रायपुर) तथा गोपालपुर (कोरबा) स्थित डिपो से लगातार जिलों को पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की जा रही है। स्थिति को सामान्य बनाए रखने के लिए रविवार अवकाश के दिन भी डिपो संचालित किए गए और लगभग 370 टैंकरों के माध्यम से ईंधन की आपूर्ति विभिन्न जिलों तक पहुंचाई गई। अधिकारियों ने बताया कि ऑयल कंपनियों के सभी डिपो से प्रतिदिन दो शिफ्टों में मांग के अनुरूप ईंधन भेजा जा रहा है।

सीएम साय ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का किया आत्मीय स्वागत

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक में शामिल होने पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री साय ने उन्हें राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ की पारंपरिक संस्कृति के अनुरूप उन्हें सम्मान दिया।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक का आयोजन आज बस्तर में किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक में विभिन्न राज्यों के बीच समन्वय, विकास और प्रशासनिक विषयों पर व्यापक चर्चा होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच विभिन्न समसामयिक मुद्दों, राज्यों के बीच आपसी समन्वय तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। बैठक में सुशासन, विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनहित से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई।

पर्यावरण संरक्षण पर ड्राइंग कॉम्पिटिशन 5 जून को, 17वें वर्ष में होगा आयोजन

भिलाई। अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण ड्राइंग कॉम्पिटिशन का आयोजन 5 जून को सुबह 6 बजे से किया जाएगा। स्पार्धा का यह 17वां वर्ष है। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती शानू मोहनन ने बताया कि प्रतियोगिता का विषय "जल-जमीन-जंगल बचाओ, जीवन में खुशहाली लाओ" रखा गया है। ड्राइंग तीन श्रेणियों में होगी। प्रथम श्रेणी कक्षा 1 से 5वीं, द्वितीय श्रेणी कक्षा 6 से 8वीं और तृतीय श्रेणी कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए है। प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के अलावा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और मेडल दिए जाएंगे। छात्र छात्राओं के लिए स्नैक्स और पानी की व्यवस्था रहेगी। प्रतियोगिता वार्ड नंबर 6 रुवाबांधा सेक्टर के बंगाली दुर्गा पंडाल के डोम शेड, नारी जागरण केंद्र, स्वर्गीय वेणुगोपाल नायर परिसर में सुबह 6 बजे शुरू होगी। ड्राइंग शीट, कलर, पुट्ठा आदि सामग्री छात्र छात्राओं को स्वयं लानी होगी। प्रतियोगिता के लिए रजिस्ट्रेशन 17 मई से शुरू हो चुका है और 30 मई तक चलेगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अमर वाटिका में शहीदों को दी श्रद्धांजलि

परिजनों से की मुलाकात, शहीदों के परिवारों के बीच बैठकर बंधाया ढांढस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान आज जगदलपुर स्थित अमर वाटिका पहुंचकर माओवाद के विरुद्ध संघर्ष में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले एक हजार से अधिक अमर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय उपस्थित थे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की धरती पर शांति, सुरक्षा और विकास स्थापित करने में हमारे जवानों का बलिदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर जवानों का त्याग कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र और राज्य सरकार बस्तर में स्थायी शांति स्थापित करने, विकास को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और माओवाद के समूल उन्मूलन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बीजापुर नक्सली हमले में शहीद हुए जवान कालेन्द्र प्रसाद नायक एवं पवन कुमार मंडावी के परिजनों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने परिवारजनों के बीच बैठकर उनका दुख साझा किया, ढांढस बंधाया तथा सरकार की ओर से हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षाबलों के जवानों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके साहस एवं समर्पण की सराहना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि शहीद जवानों का बलिदान छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शहीद परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब शांति, विश्वास और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसमें सुरक्षाबलों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण देव सहित जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

गृहमंत्री शाह ने चखा बस्तर की इमली का स्वाद, बोले खट्टा नहीं बल्कि मीठा

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह सोमवार को बस्तर जिले के नेतानार ग्राम में सीआरपीएफ कैम्प पहुँचे। यहाँ उन्होंने शहीद वीर गुंडाधूर सेवा डेरा (जन सुविधा केंद्र) का उद्घाटन किया। श्री शाह ने इमली प्रसंस्करण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही स्व सहायता समूह की महिलाओं से जाना कि कैसे वे इमली बिक्री कर अपनी आय में वृद्धि कर रही हैं। श्री शाह ने बस्तर की इमली का स्वाद चखा और कहा कि यहां की इमली में बहुत मिठास है।

समूह की श्रीमती लंबी नाग ने बताया कि इस समूह से जुड़कर वे सालाना एक लाख रु तक आय अर्जित कर सकेंगी । गुंडाधूर महिला स्व सहायता समूह में महिलाएं इमली का प्रसंस्करण करके उच्च गुणवत्ता युक्त इमली पल्प तैयार कर रही हैं। वे सेवा सेतु केंद्र पहुँचे। यहां वे ग्राम नेतानार निवासी श्रीमती सुखदेवी से मिले। सुखदेवी ने बताया कि उन्होंने अभी अपनी पांच माह की बेटी पद्मा का आधार कार्ड बनवाया है। आधार सेवा केंद्र खुलने से पहले उन्हें 10 किलोमीटर पैदल चलकर नानगुर तक जाना पड़ता था। अब यहां पर ग्रामीणों को नया आधार, आधार अपडेट, केवायसी, मोबाइल नम्बर अपडेट, ई-आधार जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। सेवा सेतु केंद्र में श्रीमती सोनामनी ने बताया कि वे बहुत दिन महतारी वंदन योजना का ई के वाय सी कराना चाहती थीं लेकिन दूरी अधिक होने के कारण वे जा नहीं पा रहीं थीं।

गांव में ही केंद्र खुल जाने के कारण आज ही उन्होंने ई के वाय सी करा लिया है। उल्लेखनीय है कि ग्रामीण यहां पर विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन प्रमाण पत्र का लाभ ले सकेंगे। इस केंद्र में जन्म, आय , जाति आदि प्रमाण पत्र आसानी से एक ही जगह बनाये जा सकेंगे। इस केंद्र में महिलाओं को बैंक सखी का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बैंक सखी के माध्यम से महिलाएं गांव में ही पैसा जमा करना, पैसा निकालना, स्व सहायता समूह के लिए खाता खोलना, के वाय सी, बैंक खाते में मोबाईल नम्बर अपडेट, एसएचजी क्रेडिट लिंकेज जैसी सुविधाएं पा सकेंगी।

श्री शाह ने सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पा रही महिलाओं से भी मुलाकात की । यहाँ पर महिलाओं को बेसिक एवं एडवांस सिलाई का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सुश्री विजय कुमारी ने बताया कि यहां से सिलाई सीखने के बाद वे अच्छे से अपने परिवार का पालन पोषण कर पाएंगी। गृह मंत्री अमित शाह ने धान डेकी प्रशिक्षण केंद्र में ग्रामीण महिलाओं से चर्चा की । इसके माध्यम से चावल बिक्री से ग्रामीणों महिलाओं की आय वृद्धि तो होगी साथ ही निकलने वाली धान की भूसी से पशुओं को पौष्टिक आहार भी मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव विकासशील एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

आईपीएल सट्टा चलाने वाले 13 सटोरिये गिरफ्तार, 5 करोड़ का लेनदेन मिला

दुर्ग पुलिस ने की कार्रवाई, मास्टरमाइंड कुणाल वर्मा समेत 9 लैपटॉप, 46 मोबाइल और 2 .57 लाख नकद जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

दुर्ग पुलिस ने हैदराबाद में आईपीएल सट्टे का पैनल चलाने वाले 13 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खातों में करीब 5 करोड़ रुपये का लेनदेन मिला है। पुलिस ने 9 लैपटॉप, 46 मोबाइल, 107 एटीएम, 23 पासबुक और 2,57,000 रुपये नकद बरामद किए हैं।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

16 मई को छावनी और एसीसीयू की टीम ने जावेद अख्तर निवासी चरौदा और आभास जायसवाल को विभिन्न बैंक खातों सहित पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने बताया कि वे स्लम एरिया के लोगों से संपर्क कर बैंक खाते खुलवाते थे और पासबुक, एटीएम, नया सिम, चेकबुक कुणाल वर्मा निवासी ढांचा भवन कुरूद जामुल को 25,000 रुपये प्रति पासबुक की दर से बेचते थे। कुणाल वर्मा इनका उपयोग ऑनलाइन क्रिकेट सट्टे में रकम के लेनदेन के लिए करता था।

हैदराबाद से चला रहे थे पैनल

कुणाल वर्मा ने पूछताछ में बताया कि वह हैदराबाद के अल्फापुरम एस.एस. रेसीडेंसी, शमसाबाद के नक्षत्र सोसायटी और रोहित चौहान के साथ ल छङ्क्ष्३ं२ 13, उढ 07 से क्रेक प्लस बुक चलाकर ऑनलाइन आईपीएल सट्टा चला रहा था। इसके लिए स्थानीय लड़कों को हैदराबाद ले जाया गया था।

इनकी हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने विक्की साहू, अभिषेक भारती, गुरफान खान, राजकुमार पासवान, तुकेश्वर साहू, जेदखान, के श्रीनू, शेख सद्दाम, विकास राय, विकास निषाद, रोहित चौहान, कुणाल वर्मा और प्रतीक पटेल को गिरफ्तार किया है। कुणाल वर्मा पूरे पैनल का मास्टरमाइंड है जो पैनल खरीदकर म्यूल अकाउंट की व्यवस्था करता था।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संगठित अपराध की धारा के तहत कार्रवाई की है। आरोपियों की संपत्ति का ब्यौरा भी मांगा जा रहा है। इन खातों में 63 साइबर कंप्लेन दर्ज हैं। पुलिस कुणाल वर्मा के ऊपर के चैनल की जांच कर रही है। दुर्ग पुलिस ने इस वर्ष आईपीएल सीजन में ऑनलाइन सट्टे पर 14 कार्रवाई की हैं। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम रवाना की गई है। थाना छावनी में अपराध क्रमांक 320/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ग्राम पुरई में सुशासन तिहार : 2 हितग्राहियों को वृद्धा पेंशन, 6 हितग्राहियों को मिली आवास चॉबी

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-पुरई

सुशासन तिहार के अंतर्गत जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन जनपद पंचायत दुर्ग क्षेत्र के ग्राम पंचायत पुरई स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला में किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित कुल 441 आवेदन प्रस्तुत किए। विभागीय अधिकारियों द्वारा 147 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया, शेष आवेदनों के निराकरण की प्रक्रिया समय-सीमा में पूरी की जाएगी।

शिविर में मचांदुर, चिरपोटी, पाउवारा, कोड़िया, कोकड़ी, हनोदा, पुरई, खोपली, डुमरडीह, घुघसीडीह, उमरपोटी, कातरो, बोरीगारका एवं करगाडीह के गांवों के ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों में पहुंचकर आवेदन जमा किए। जनसमस्या निवारण शिविर में दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर एवं कलेक्टर अभिजीत सिंह ने ग्रामीणजनों से संवाद किया। विधायक श्री चंद्राकर ने कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की जनहितैषी योजनाओं और पारदर्शी कार्यशैली के कारण जनता का भरोसा लगातार बढ़ रहा है। इस अभियान के तहत लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है तथा आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सरलता से उपलब्ध कराया जा रहा है।

शिविर में ग्रामीण विधायक श्री चंद्राकर एवं कलेक्टर श्री सिंह ने हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया गया। विधायक श्री चंद्राकर एवं कलेक्टर श्री सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से 06 गर्भवती महिलाओं को पोषण टोकनी वितरित किए। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों द्वारा राष्ट्रीय परिवार सहायता अंतर्गत 3 हितग्राहियों बिंदा बाई, मीना बाई, रामकली सपहा को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वहीं मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना अंतर्गत दो हितग्राहियों को प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक हितग्राही रूपौतिन बाई को स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया तथा 06 आवास हितग्राहियों राजू साहू, रेनी बाई, रोहिणी बाई यादव, उषा बाई, जन्तिका बाई और मोंगरा बाई को आवास की चॉबी सौंपी गई। इसके साथ ही किशोरी बालिकाओं को सेनेटरी नैपकीन वितरित किए गए।

शिविर में क्लस्टर की सभी ग्राम पंचायतों के क्यूआर कोड का प्रदर्शन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणजनों द्वारा मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर संबंधित जानकारी प्राप्त कर इसकी सराहना कर रहे हैं। इस पहल के माध्यम से मनरेगा कार्यों में पारदशिर्ता एवं सूचना की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।

इस अवसर पर एसडीएम हरवंश सिंह मिरी, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष विजय अग्रवाल, जनपद पंचायत सीईओ रूपेश पाण्डे, जिला पंचायत सभापति श्रीमती श्रद्धा साहू, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, सरपंच डोमार साहू, सरपंचगण श्रीमती पूजा चंद्राकर, श्रीमती लक्ष्मी साहू, ललित बारले सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खास खबर

गैलेक्सी वेलफेयर सोसाइटी ने किया एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

श्री ब्लड सेंटर दुर्ग के तत्वावधान में गैलेक्सी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जनसेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े इस कार्यक्रम में सोसाइटी के निवासियों, युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। रक्तदान शिविर में लगभग 18 से 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदाताओं ने मानव जीवन बचाने के इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सभी रक्तदाताओं एवं सहभागियों को हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में गैलेक्सी वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष के. पी. चंद्राकर, सचिव तप कमर्कार, कोषाध्यक्ष के. साहू, उपाध्यक्ष श्रीमती अनुसूया झा, उपसचिव ऋषभ शुक्ला, कायकारिणी सदस्य शशि साहू, हर्ष श्रीवास्तव एवं वीरेंद्र देवांगन सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सोसाइटी पदाधिकारियों ने कहा कि रक्तदान महादान है और ऐसे आयोजनों से समाज में सेवा, सहयोग एवं जागरूकता की भावना मजबूत होती है। भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहितकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

विदाई कार्यक्रम : रिटायर कर्मियों ने सराहा सेक्टर-6 सोसाइटी के कामकाज को

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की पहली एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड सेक्टर-6 ने अपने सेवानिवृत्त सदस्यों के सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें माह अप्रैल अथवा उसके पूर्व भिलाई इस्पात संयंत्र की सेवा से निवृत्त हुए सदस्यों को ससम्मान विदाई दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सोसायटी के अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सेवानिवृत्त सदस्यों का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान कर सोसायटी में जमा उनकी निधियों का खातादेय चेक प्रदान किया। इस दौरान मिश्र ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ,सुखमय एवं समृद्ध सेवानिवृत्त जीवन की कामना की। इस दौरान रिटायर कर्मियों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त की। ज्यादातर कर्मियों ने बीएसपी में बिताया अपना सेवाकाल याद किया और सोसायटी के कामकाज को सराहा।

इनमें मर्चेंट एंड वायर रॉड मिल से महेश्वर प्रसाद,पावर सिस्टम से एन.के.सिंह, मेडिकल से रामेश्वर प्रसाद साहू,स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से विष्णुपद नंदी,सेवकराम साहू,रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से राजकुमार सोनी,टेलीकम्युनिकेशन से अजय कुमार मार्टिन,ब्लास्ट फर्नेस से संदीप मुले, जीए डी.से सुनीता बाई,बार एंड रॉड मिल से कुलेश्वर प्रसाद चंद्राकर,राजेंद्र कुमार ढाकरवाल,एलडीसीपी से जयंत कुमार, टाउन सविर्सेज से संतुराम तारम, रिफ्रैक्टरीज इंजीनियरिंग विभाग से विनोद कुमार दुबे,तोष कुमार,ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से राजू मेश्राम,पूर्णचंद नवल किशोर और बुढार कुमार समवेत स्वर ने कहा कि पूरे सेवाकाल में जब भी कोई आर्थिक जरूरत पड़ी तो सेक्टर-6 सोसाइटी से आसानी से ऋण मिल गया। इस अवसर पर संचालक मंडल के उपाध्यक्ष अमिताभ वर्मा तथा सदस्य हरिराम यादव, नीरजा शर्मा, विनोद वासनिक, जेके गहिने और पवन साहू सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

नाला चौड़ीकरण कार्य का निगम आयुक्त पाण्डेय ने किया निरीक्षण, अतिक्रमण हटाने के दिए निर्देश

बरसात में जलभराव रोकने रिटर्निंग वॉल निर्माण, अवैध बाउंड्रीवॉल हटाने को कहा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने रविवार को जोन-01 नेहरू नगर क्षेत्र में चल रहे नाला रिटर्निंग वॉल और अवैध अतिक्रमण का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को कार्य जल्द पूरा करने और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

निगम आयुक्त जोन टीम के साथ साइकिल से मॉडल टाउन विनोबा नगर और जुनवानी स्थित एमजे कॉलेज के पास चल रहे नाला रिटर्निंग वॉल कार्य का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने बताया कि बरसात में अधिक वर्षा होने पर क्षेत्र में जलभराव की समस्या होती है। इसी समस्या के समाधान के लिए नाले का वॉल निर्माण कराया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान एमजे कॉलेज के सामने प्रधानमंत्री आवास के पास अवैध अतिक्रमण कर बाउंड्रीवॉल और गेट बनाए जाने का मामला सामने आया। निगम आयुक्त ने सीमांकन के बाद काम करने और अवैध निर्माण को तत्काल हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता फत्तेलाल साहू, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, रीमा जामुलकर, स्वच्छता निरीक्षक अंकित सक्सेना, क्रिस्टोफर सहित निगम के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ में दो दिवसीय व्यापारिक सम्मेलन, स्वदेशी व्यापारी मंच के गठन का निर्णय

छत्तीसगढ़ चेम्बर की टीम अजय भसीन के नेतृत्व में हुई शामिल, कैट अध्यक्ष बीसी भरतिया बने संयोजक

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

लखनऊ में आयोजित दो दिवसीय व्यापारिक सम्मेलन में देशभर के व्यापारी संगठन जुटे। सम्मेलन में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की टीम प्रदेश महामंत्री अजय भसीन के नेतृत्व में शामिल हुई।

सम्मेलन में राष्ट्रीय स्तर पर "स्वदेशी व्यापारी मंच" के गठन का निर्णय लिया गया। इस मंच में विभिन्न व्यापारी संगठनों को जोड़ा जाएगा ताकि व्यापारियों की आवाज सीधे केंद्र सरकार तक पहुंच सके। स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान के संयोजक सतीश जी ने सभी संगठनों से मंच में प्रतिनिधित्व का आह्वान किया।

छत्तीसगढ़ चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने कहा कि सभी व्यापारी संगठनों को एक मंच पर आकर समस्याओं के समाधान तक साथ चलना होगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ में भी इसी तरह का व्यापारिक सम्मेलन आयोजित करने की योजना है। यह मंच स्वदेशी उत्पादों और तकनीक को बढ़ावा देने तथा युवाओं को व्यापार से जोड़ने का काम करेगा।

सम्मेलन में व्यापारियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने के लिए निःशुल्क ट्रेड एग्रीमेंट और द्विपक्षीय ट्रेड एग्रीमेंट के तहत उत्पादों की पहचान कर अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जोड़ने पर भी चर्चा हुई। इस मुहिम में कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.सी. भरतिया को संयोजक और संदीप बंसल को सह-संयोजक बनाया गया है। व्यापार कल्याण बोर्ड भी इस पहल में सहयोग करेगा। सम्मेलन में भिलाई चेम्बर भी सक्रिय रहा। कार्यक्रम में सुनिल मिश्रा, निरंकार सिंह, मनोहर कृष्णानी, गौरव मोंगिया, विजय मिश्रा समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जल संरक्षण और रोजगार कार्यों को दुर्ग जिले में मिली प्राथमिकता

मनरेगा अंतर्गत पंचायतों में रोजगार उपलब्ध कराने विशेष अभियान, दुर्ग जिले की प्रत्येक पंचायत में शत-प्रतिशत कार्य स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं बजरंग कुमार दुबे के कुशल नेतृत्व में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत मांग आधारित कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

दुर्ग जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मांग के आधार पर श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके परिप्रेक्ष्य में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लेबर बजट अनुसार ग्रीष्मकालीन अवधि में शत-प्रतिशत कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रथम चरण में 285 कार्य तथा द्वितीय चरण में 207 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इस प्रकार कुल 492 कार्य स्वीकृत हुए हैं, जिनकी कुल राशि ?33.65 करोड़ है। इन कार्यों से लगभग 13 लाख मानव दिवसों का सृजन होगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत जिले में प्रतिदिन लगभग 35 हजार से 40 हजार श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्धता और आजीविका सुरक्षा को मजबूती मिली है।

उन्होंने यह भी बताया कि वतर्मान में जिले की सभी पंचायतों में पर्याप्त मात्रा में कार्य उपलब्ध हैं, जिससे श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार सुनिश्चित किया जा रहा है।

मनरेगा अंतर्गत सभी अधिकारियों एवं कमर्चारियों को निर्देशित किया गया है कि प्रत्येक पंचायत में श्रमिकों को नियमित रोजगार उपलब्ध कराया जाए तथा मजदूरी भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही मनरेगा मजदूरी भुगतान राशि के आहरण से जुड़ी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं जनपद पंचायत स्तर के अधिकारी आवश्यक कारर्वाई सुनिश्चित करें। रोजगार सहायकों को प्रतिदिन श्रमिकों से संपर्क कर मजदूरी भुगतान संबंधी जानकारी साझा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की भुगतान संबंधी समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सके।

शासन की मंशानुसार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत जल संरक्षण, वॉटर कंजर्वेशन, आजीविका डबरी, नया तालाब निर्माण, तालाब जीर्णोद्धार एवं नाला सफाई सहित अन्य कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि जिले में जल समस्या का समाधान हो सके तथा सूखाग्रस्त पंचायतों में जल संरक्षण को बढ़ावा मिले।

भाजपा जिला दुर्ग की पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण आज से

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी जिला दुर्ग द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग के सफल आयोजन को लेकर अंतिम तैयारी बैठक जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। यह प्रशिक्षण वर्ग 19 एवं 20 मई को राजनांदगांव के समीप सोमनी टोल प्लाजा के पहले स्थित संचिता लॉन में आयोजित किया जाएगा। बैठक में प्रशिक्षण वर्ग के अनुशासित, भव्य एवं सफल आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। विभिन्न व्यवस्थाओं एवं दायित्वों का निर्धारण कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

बैठक में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं कार्यक्रम टोली सदस्य चंद्रिका चंद्राकर, जिला महामंत्री एवं प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान टोली संयोजक दिलीप साहू, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं कार्यक्रम टोली सदस्य तेखन सिन्हा, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं टोली सदस्य राजेंद्र पाध्येय तथा प्रशिक्षण वर्ग नियंत्रक संतोष सोनी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग संगठन की कार्यप्रणाली, विचारधारा एवं कार्यकर्ताओं के वैचारिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन की रीति-नीति एवं जनसेवा के मूल मंत्रों से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से प्रशिक्षण वर्ग को सफल, अनुशासित एवं ऐतिहासिक बनाने हेतु पूर्ण तत्परता के साथ कार्य करने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे कहा कि आवास, भोजन, पंजीयन, अनुशासन, स्वागत, मंच व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर जिम्मेदारियों का निर्धारण कर दिया गया है। साथ ही सभी कार्यकर्ताओं से पूर्ण समर्पण एवं अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

बैठक को जिला महामंत्री एवं प्रशिक्षण वर्ग महाअभियान के जिला संयोजक दिलीप साहू, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं टोली सदस्य राजेंद्र पाध्येय तथा प्रशिक्षण वर्ग नियंत्रक संतोष सोनी ने भी संबोधित किया।

बैठक में जिला मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सोशल मीडिया जिला संयोजक रजनीश श्रीवास्तव, सह संयोजक अविनाश राजपूत, आईटी सेल जिला सह संयोजक उमेश गिरी, जुही चंद्राकर, राजेश सिंह राजपूत, प्रीति राजपूत, मुकेश बेल, चंदन, हिमांशु सिंह, अनिकेत यादव, नितेश शर्मा, सुरेश दीक्षित, अबीर गोयल, अजय उमरे, दिनेश देशमुख, गौरव शर्मा, नीरज पांडेय, कुंदन साहू, कमलेश हिरवानी, ताम्रध्वज साहू, संदीप जैन, ओमप्रकाश पांडेय, मलखान सिंह लोधी, दीपक सिन्हा, सरस्वती साहू, कल्पना जांगड़े, विनय महोबिया, रेखा चंद्राकर, सखी ठक्कर, आशुतोष यादव, कमल सोनी, श्वेता सिंह, आराधना पांडेय, विजय बनोठे, आंचल यादव सहित अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हादसे में घायल मिस्त्री के परिवार पर आर्थिक संकट, सर्व समाज कल्याण समिति करेगी मदद

चार महीने से बेड रेस्ट पर हैं रोहित सेन, घर में खाने का भी संकट

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

कोहका गुरुद्वारे के सामने निर्माणाधीन मकान में काम के दौरान दूसरी मंजिल से गिरकर घायल हुए मिस्त्री रोहित सेन का परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। हाथ और पैर में गंभीर चोट लगने के कारण रोहित पिछले चार महीने से बेड रेस्ट पर हैं।

सर्व समाज कल्याण समिति को सर्वे के दौरान रोहित के बारे में जानकारी मिली। घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य के बिस्तर पर होने से परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद नाजुक हो गई है। घर में खाने-पीने का संकट भी पैदा हो गया है।

रोहित ने समिति से राशन और मदद की गुहार लगाई है। समिति ने मामले की गंभीरता को देखते हुए परिवार की सहायता के लिए जल्द ठोस फैसला लेने की बात कही है। समिति का कहना है कि संकट की इस घड़ी में रोहित और उनके परिवार को हर संभव संबल दिया जाएगा। समिति लगातार जरूरतमंदों की मदद के लिए काम कर रही है।

आसमान को छूने के सपनों को मिली उड़ान, होनहार बच्चों ने पहली बार देखा एयरपोर्ट का रोमांच

फाइटर प्लेन के कॉकपिट में बैठकर रोमांचित हुए विद्यार्थी, रनवे पर विमानों की उड़ान देख बढ़ा आत्मविश्वास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

2 छोटे शहरों और गांवों के बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने की दिशा में जिला प्रशासन सक्ती की एक अनूठी पहल सामने आई है। प्रशासन ने जिले के 24 मेधावी छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण कराकर न केवल उन्हें आधुनिक उड्डयन व्यवस्था से परिचित कराया, बल्कि उनके भीतर बड़े सपने देखने का आत्मविश्वास भी जगाया।

इस विशेष शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों के लिए यादगार अनुभव का रूप ले लिया। एयरपोर्ट और फाइटर प्लेन को अब तक केवल किताबों, फिल्मों या टीवी स्क्रीन पर देखने वाले विद्यार्थियों ने जब उन्हें सामने से देखा, तो उनकी उत्सुकता और खुशी

देखते ही बन रही थी। दरअसल, विद्यार्थियों के चयन के लिए 13 मई को जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान एवं एप्टीट्यूड टेस्ट आधारित प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 24 छात्र-छात्राओं को एयरपोर्ट भ्रमण के लिए चुना गया। 16 मई की सुबह जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सक्ती से सभी विद्यार्थियों को बस के माध्यम से स्वामी विवेकानंद विमानतल माना, रायपुर के लिए रवाना किया गया।

एयरपोर्ट पहुंचने पर विद्यार्थियों को विमानतल परिसर का विस्तृत भ्रमण कराया गया। इस दौरान फ्लाइंग ऑफिसर और तकनीशियन ने बच्चों को फाइटर प्लेन एवं सिविलियन एयरक्राफ्ट की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने विमान के विभिन्न हिस्सों, डिजाइन और उड़ान प्रणाली को बेहद सरल तरीके से समझाया।

भ्रमण का सबसे रोमांचक पल वह रहा, जब विद्यार्थियों को एक-एक कर फाइटर प्लेन के कॉकपिट में बैठने का अवसर मिला। वहीं, रनवे पर विमानों को उड़ान भरते और उतरते हुए करीब से देखना भी विद्यार्थियों के लिए अविस्मरणीय अनुभव बन गया। कार्यक्रम के दौरान एयरपोर्ट और विमानन से जुड़ी सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई। सही जवाब देने वाले विद्यार्थियों को उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस पूरे शैक्षणिक भ्रमण ने बच्चों को आधुनिक परिवहन प्रणाली, विमानन तकनीक और हवाई जहाज संचालन की व्यवहारिक जानकारी प्रदान की। जिला प्रशासन की इस पहल को विद्यार्थियों और अभिभावकों ने बेहद सराहा है। भ्रमण से लौटे बच्चों के चेहरों पर उत्साह साफ झलक रहा था। कई विद्यार्थियों ने भविष्य में पायलट, एयरफोर्स ऑफिसर और एयरोस्पेस इंजीनियर बनने की इच्छा भी जताई।

खास खबर

खनिज माफियाओं पर प्रशासन का शिकंजा, अवैध रेत और मिट्टी ईंट परिवहन पर बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में खनिज संपदा के संरक्षण एवं अवैध उत्खनन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन लगातार सख्ती बरत रहा है। इसी क्रम में बलरामपुर जिले में खनिज विभाग एवं संयुक्त टीम ने अवैध रेत और मिट्टी ईंट परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 वाहनों को जब्त किया है। कार्रवाई के बाद अवैध खनिज परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति है। जानकारी के अनुसार विकासखंड राजपुर अंतर्गत ग्राम गोपालपुर एवं कर्रा क्षेत्र में संयुक्त टीम द्वारा जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे 4 वाहन तथा मिट्टी ईंट परिवहन में लगे 2 वाहनों को पकड़ा गया। जांच के दौरान वाहन चालकों द्वारा आवश्यक दस्तावेज एवं वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सभी वाहनों को जब्त कर राजपुर थाना के सुपुर्द किया गया।

खनिज विभाग से प्राप्त जानकारी के मुताबिक गोपालपुर क्षेत्र में एक रेत वाहन एवं एक मिट्टी ईंट वाहन अवैध परिवहन करते पाए गए, वहीं ग्राम कर्रा क्षेत्र में तीन रेत वाहन और एक मिट्टी ईंट वाहन बिना वैध अनुमति संचालित हो रहे थे। संयुक्त टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए सभी वाहनों को जब्त किया। खनिज विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। शासन के निर्देशानुसार खनिज संपदा के संरक्षण के लिए संयुक्त रूप से मॉनिटरिंग और जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

केवई नदी में अवैध रेत खनन पर कार्रवाई

मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में अवैध रेत खनन के खिलाफ प्रशासन ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए केवई नदी क्षेत्र में छापामार अभियान चलाया। संयुक्त टीम ने मौके से अवैध उत्खनन में लगी एक चैन माउंटेन मशीन और रेत परिवहन कर रहे 9 हाईवा वाहनों को जब्त कर लिया। कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम पंचायत घटई, तहसील भरतपुर स्थित केवई नदी क्षेत्र में जिला स्तरीय टास्क फोर्स, खनिज विभाग, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। जांच के दौरान अधिकारियों ने पाया कि संबंधित स्थल पर रेत खनन निर्धारित नियमों और वैधानिक प्रावधानों के विपरीत संचालित किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए सभी हाईवा वाहन और मशीनरी को ग्राम पंचायत घटई की सुपुदर्गी में सुरक्षित रखा गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनन और खनिज परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ खनिज एवं विनियमन अधिनियम 1957 तथा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट में जनप्रतिनिधियों की भूमिका व दायित्व पर उन्हें दिया प्रजेन्टेशन

उद्योग मंत्री देवांगन और महापौर की रही गरिमामयी उपस्थिति

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सालिड वेस्ट मेनेजमेंट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की क्या भूमिकाएं एवं दायित्व हैं, इस संबंध में विस्तृत प्रजेन्टेशन आज नगर पालिक निगम कोरबा के पार्षदों, जनप्रतिनिधियों के समक्ष रखा गया तथा उन्हें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में निहित प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी गई। उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन द्वारा नगर पालिक निगम कोरबा के विकास व निर्माण कार्यो विभागीय विषयों पर ली गई समीक्षा बैठक के दौरान यह प्रजेन्टेशन पाषर्दो के समक्ष प्रस्तुत किया गया, इस मौके पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजूपत, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय व निगम सभापति नूतन सिंह ठाकुर एवं वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन, अशोक चावलानी सहित निगम के पार्षदगण उपस्थित थे।

सॉलिड वेस्ट मेनेजमेंट में जनप्रतिनिधियों की भूमिका एवं दायित्व पर उन्हें दिया गया प्रजेन्टेशन

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर केन्द्र सरकार द्वारा लागू किये गये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के परिपालन में सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास छत्तीसगढ़ के दिशा निर्देशों के तहत आज नगर पालिक निगम कोरबा के पाषर्दो, जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक में सालिड वेस्ट मेनेजमेंट में उनकी भूमिका एवं इस दिशा में उनके दायित्वों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये, भूमिकाओं व दायित्व निर्वहन में आवश्यक सहयोग का आग्रह आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने किया। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार पार्षदों, महापौर एवं अध्यक्ष, वार्ड सदस्य जो जनता के निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं, को स्त्रोत पृथकीकरण शिक्षा के लिये प्रमुख सुविधाप्रदाता के रूप में नामित किया गया है, यह उनका वैधानिक कर्तव्य है कि वे अपने वार्ड के प्रत्येक नागरिक को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन में समग्र रूप से सम्मिलित किया जाए, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस हेतु केन्द्र सरकार को नियम बनाने के निर्देश दिये गये थे।

केन्द्र सरकार द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 को अपडेट करते हुये ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 बनाया तथा इसे 01 अप्रैल 2026 से समस्त नगरीय निकायों में लागू कर दिया गया है। इस नियम के अनुसार पूर्व की 02 श्रेणियों में सूखा व गीला अपशिष्ट के पृथककरण के स्थान पर अब अपशिष्ट पृथककरण को 04 श्रेणियों गीला, सूखा, स्वच्छता व विशेष देखभाल आदि श्रेणियों में बांटा गया है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 में वल्क वेस्ट जनरेटर में उन संस्थानों, प्रतिष्ठानों को शामिल किया गया है, जो 01 दिन में 100 किलोग्राम कचरा उत्सर्जित करते हो अथवा प्रतिदिन 40 हजार लीटर पानी का उपयोग करते हों, अथवा 20 हजार वगर्मीटर से बडे.क्षेत्रफल में उनका निर्माण किया गया हो। वल्क वेस्ट जनरेटर के लिये आनसाईट अपशिष्ट का उपचार अनिवार्य होगा तथा इस संबंध में निगम को सूचित भी करेगा। वल्क वेस्ट जनरेटर अपशिष्ट का स्त्रोत पृथकीकरण करते हुये पृथक-पृथक कचरा संग्रहित करेंगे, निगम को पूर्व सूचना देंगे तथा निगम यूजर चार्जेज के आधार पर इस कचरे का उठाव व परिवहन करेगा।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत 04 श्रेणी के कचरों के लिये हरे, नीले, लाल व बैंगनी रंग के डस्टबिन निर्धारित किये गये हैं, जिसके अनुसार हरे रंग के डस्टबिन में गीला कचरा यथा रसोई का कचरा, सब्जी फल के छिल्के, बचा हुआ खाना, फूल पत्ते, चायपत्ती आदि रखें जायेंगे, इसी प्रकार नीले डिब्बे में सूखा कचरा यथा कागज, गत्ता, प्लास्टिक बोतले, कांच, धातु, रबर, बेकार कपडे, तो वहीं लाल रंग के डस्टबिन में सेनेटरी नेपकिन, डायपर, पट्टी, बैंडडेज आदि लपेटकर अलंग रखने होंगे, इसी प्रकार बैंगनी रंग के डिब्बे में विशेष देखभाल अपशिष्ट दवाईयाँ, इंजेक्शन, बैटरी, इलेक्ट्रानिक समान, सी.एफ.एल. बल्ब, पेंट के डिब्बे, कीटनाशक, रसयान आदि के डिब्बे रखें जायेंगे। इन नियम में मिश्रित कचरा देने पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति का प्रावधान भी रखा गया है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अंतर्गत वल्क वेस्ट जनरेटर के लिये बनाये गये नियमों का पालन कराने का सामूहिक दायित्व नगरीय निकाय व निर्वाचित जनप्रतिनिधियों दोनों का निर्धारित किया गया है, वल्क वेस्ट जनरेटर से यह सुनिश्चित कराना होगा कि गीले कचरे का आनसाईट उपचार करें, यदि संभव न हों तो ई.बी.डब्ल्यू.जी.आर. प्रमाण पत्र निकाय से प्राप्त करें, केन्द्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करें तथा त्रेमासिक रिपोर्ट अपलोड करें।

वित्त मंत्री ने रायगढ़ की प्रमुख विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

मंत्री ने मरीन ड्राइव, नया बस स्टैंड, किसान राइस मिल ऑक्सीजोन और दूध डेयरी ऑक्सीजोन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने रायगढ़ शहर में संचालित विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का स्थल निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीन ड्राइव, नए बस स्टैंड, किसान राइस मिल परिसर में विकसित किए जा रहे ऑक्सीजोन तथा दूध डेयरी ऑक्सीजोन के निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। श्री चौधरी ने अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण हों तथा गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से रायगढ़ शहर को आधुनिक और सुव्यवस्थित आधारभूत सुविधाएं मिलेंगी। मरीन ड्राइव शहरवासियों के लिए आकर्षक सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित होगा, नया बस स्टैंड यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा, जबकि ऑक्सीजोन परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण के साथ नागरिकों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराएंगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास कार्यों के माध्यम से नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। इसके लिए सभी परियोजनाओं की नियमित निगरानी की जा रही है ताकि जनता को जल्द से जल्द इनका लाभ मिल सके। इस अवसर पर संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गुमनाम नायकों का लोकभवन में किया गया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले गुमनाम नायकों को सम्मानित किया। लोकभवन में आयोजित विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस के अवसर राज्यपाल श्री डेका ने पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीमती शुभांगी आप्टे एवं संजय आप्टे, योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सुजॉय मंडल, कु. रूचि साहू, शिक्षा, पर्यावरण एवं समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए तुमन साहू, 12 वीं की प्रावीण्य सूची में पांचवां स्थान प्राप्त करने के लिए कु. कुसुमलता बिपरे को राज्यपाल द्वारा राजकीय गमछा पहनाया गया और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्हें 10-

10 हजार रूपये की स्वेच्छानुदान राशि भी प्रदान की गई। राज्यपाल ने पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम के तहत विशेष कर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछडे वर्ग के बच्चों के साथ-साथ अन्य गरीब बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए सूरज सिंह परिहार (आई.पी.एस.) को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक कार्य ऐसा करना चाहिए जिसमें लेने का न हो बल्कि समाज को देने का हो। आज जिन व्यक्तियों की सम्मानित किया गया राज्यपाल ने उनके कायी का उल्लेख करते हुए समाज में उनके योगदान की सराहना की और कहा कि अन्य लोगों भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार – मंत्री अग्रवाल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी दिशा में पर्यटन, संस्कृति एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड के ग्राम फुलचुही एवं डांड़गांव में विभिन्न धार्मिक विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को महत्वपूर्ण सौगात दी।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने उदयपुर विकासखंड के ग्राम फुलचुही स्थित पंचमुखी पहाड़ी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सीढ़ी निर्माण एवं मंदिर भवन पुनर्निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही ग्राम डांड़गांव में मंदिर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी। इन विकास कार्यों से न केवल श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि डबल इंजन की सरकार प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं को संरक्षित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अचर्ना के केंद्र नहीं होते, बल्कि वे समाज की आस्था, संस्कृति, सामाजिक समरसता और परंपराओं के जीवंत प्रतीक भी हैं। राज्य सरकार धार्मिक स्थलों का संरक्षण कर उन्हें सुविधायुक्त बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है ताकि श्रद्धालुओं को बेहतर वातावरण और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंस उन्होंने आगे कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के समग्र विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार की मंशा है कि धार्मिक स्थलों का विकास केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रहे, बल्कि उन्हें स्थानीय अर्थव्यवस्था, पर्यटन और रोजगार से भी जोड़ा जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में मंदिरों और धार्मिक स्थलों के विकास से स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा तथा युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार विरासत के संरक्षण और विकास के समन्वय की सोच के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक गौरव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए जनभावनाओं के अनुरूप योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपराएं और धार्मिक आस्थाएं प्रदेश की अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक स्थलों के विकास से सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिलती है। राज्य सरकार गांव-गांव में सांस्कृतिक और धार्मिक अधोसंरचना के विकास के माध्यम से लोगों को अपनी परंपराओं और विरासत से जोड़ने का कार्य कर रही है। विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और मंत्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन कार्यों से क्षेत्र की धार्मिक पहचान को नई मजबूती मिलेगी तथा श्रद्धालुओं को सुविधाजनक वातावरण प्राप्त होगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को मजबूत कर रहे राज्यों की विकास यात्रा- राज्यपाल

लोकभवन में मनाया गया विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज लोकभवन में 4 राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम में ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्न कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में हिमाचल प्रदेश, गुजरात, सिक्किम और महाराष्ट्र राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

राज्यपाल ने कहा कि विविधता में एकता भारत की सबसे बड़ी शक्ति है और ह्यएक भारत श्रेष्ठ भारतह्न जैसे पहल देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक जुड़ाव, पारस्परिक सम्मान और राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती प्रदान कर रही है। राज्यपाल ने कहा कि विकास और विरासत के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे ये राज्य देश के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने महाराष्ट्र की वीरता, सामाजिक चेतना और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गुजरात की उद्यमशीलता, विकास मॉडल और ऐतिहासिक योगदान, हिमाचल प्रदेश की राष्ट्र भक्ति, सेवा भावना और प्राकृतिक संपदा तथा सिक्किम की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता और जैविक कृषि मॉडल की विशेष सराहना की।

उन्होंने कहा कि इन राज्यों की संस्कृति, परंपराएं, ऐतिहासिक योगदान और विकास यात्रा भारत की एकता और सामर्थ्य को और अधिक सशक्त करती है। उन्होंने विश्वास

व्यक्त किया कि इन राज्यों के लोग राष्ट्र निर्माण और देश की प्रगति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे।

समारोह में राज्यों के प्रतिनिधियों ने अपने राज्यों की विशेषताओं, परंपरा, संस्कृति पर प्रकाश डाला। समारोह में विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने सभी राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुति दी। विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों को राज्यपाल ने राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने भी राज्यपाल को अपने राज्य की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विधायक पुरंदर मिश्रा, लोकभवन के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा इन सभी राज्यों के प्रतिनिधियों के रूप में युवा, महिलाएं एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

अवैध रेत उत्खनन पर बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने बिलासपुर जिले में बड़ी कार्रवाई करते हुए शिवनाथ नदी से अवैध खनन में लगी तीन चैन माउंटेन मशीनें जब्त की हैं। केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता और जिला स्तरीय जांच दल की संयुक्त टीम ने मध्यरात्रि को औचक निरीक्षण कर यह कार्रवाई की। कारर्वाई के दौरान मशीन ऑपरेटर मौके से फरार हो गए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रदेशभर में अवैध खनन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। खनिज विभाग का मैदानी अमला लगातार खनन क्षेत्रों की निगरानी कर रहा है और अवैध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

केंद्रीय खनिज उड़नदस्ता की टीम ने बिलासपुर जिले की पचपेड़ी तहसील अंतर्गत ग्राम उदईबंध और अमलडीहा क्षेत्र में शिवनाथ नदी का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अवैध रेत उत्खनन के मामले में संलिप्त तीन चैन माउंटेन मशीनें मौके पर मिली। खनिज विभाग ने ग्राम उदईबंध में दो तथा अमलडीहा में एक मशीन को जब्त कर सील कर दिया।

संपादकीय

वक्त लगता है लेकिन सत्य की जीत होती है

सनातन सत्य का पक्षधर होता है। वह सत्य के साथ खड़ा होता है और यह जानते हुए भी खड़ा होता है कि सत्य की जीत में समय लगता है। वह सत्य के साथ सत्य की जीत का इंतजार करता है और आज तक सनातन की जीत इसीलिए हुई है कि वह सत्य के साथ खड़ा रहा है,वह सत्य की जीत के प्रति आश्वस्त रहता है इसलिए सत्य की लड़ाई में सौ साल लगे या कई सौ लगे वह लड़ता है,सत्य के लिए लड़ता है,लड़ाई लंबी चलती है तो निराश नहीं होता है। वह कई सौ साल तक आशा के साथ इंतजार करता है, अ?ोध्या मामले में उसने कई सौ साल इंतजार किया और आखिरी में अयोध्या में सत्य की जीत हुई। इसी के साथ भोजशाला का मामला भी लंबे समय से चला आ रहा था और आखिर इस मामले में भी सत्य की जीत हुई है। यह जीत सनातन की जीत है।

मप्र हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने 15 मई 2026भोजशाला फैसला सुनाते हुए कहा है कि विवादित परिसर का धार्मिक चरित्र देवी सरस्वती के मंदिर का है ।कोर्ट ने 7 अप्रैल 2003 के एएसआई आदेश को रद्द कर दिया है कि जिसमें शुक्रवार को मुस्लिम समाज को नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई थी ।कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार और एएसआई स्मारक का प्रबंधन अब उसके धार्मिक चरित्र के अनुरूप कर सकती हैं ।जस्टिस विजय कुमार शुक्ल व जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच ने कहा है कि एएसआई के सर्वे व दस्तावेज से संकेत मिलता है कि मौजूदा ढांचा पूर्व की संरचना पर बना है ।ज्ञात हो कि भोजशाला को लेकर विवाद चल रहा था कि यह किसका है। हिंदू व मुस्लिम पक्ष इसे अपना अपना बता रहे थे। 92 साल बाद एएसआई के सर्वे के आधार पर अब अदालत ने साफ कर दिया है कि यह हिंदू पक्ष का है।

हिंदू पक्ष की सबसे अच्छी बात यह है कि वह अपने आस्था के केंद्र को लेकर कोई फैसला चाहता है तो वह कोर्ट के पास सबूत लेकर जाता है और कहता है कि यह हमारी आस्था का स्थल है,इसका प्रमाण यह है इसलिए कोर्ट सबूतों के आधार पर फैसला करे कि यह स्थल किसका है और मजबूत सबूत जिसके पास होते हैं फैसला उसके पक्ष में होता है। अयोध्या मामले में भी यही हुआ है और भोजशाला मामले में भी यही हुआ है। जब आस्था के स्थल को लेकर विवाद होता है तो सबसे अच्छा तरीका यही होता है कि दोनों पक्ष कोर्ट के पास जाएं और कोर्ट जो फैसला करे उसे स्वीकार करें ।इस फैसले का असर आगे भी होगा क्योंकि ऐसे विवादित स्थल अभी और हैं देश में।

कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति के कारण हिंदू समाज के कई आस्था के स्थल उसके होने के बाद भी उसके नहीं माने जा रहे थे क्योंकि संरक्षित स्मारकों का चरित्र उनके वर्तमान उपयोग से तय किया जा रहा था। हाईकोर्ट के फैसले के बाद साफ हो गया है कि अब किसी आस्था के स्थल के चरित्र का निर्धारण उसके वतर्मान उपयोग से नहीं बल्कि ऐतिहासिक,पुरातात्विक व वैज्ञानिक साक्ष्यों से किया जाएगा। क्योंकि संविधान में धार्मिक अधिकारों के साथ ही सांस्कृतिक विरासत संरक्षण कि जिम्मेदारी का भी उल्लेख है। इसी के साथ अब भोजशाला मे हिंदू समाज को अब एक दिन नहीं पूरे साल पूजा करने का अधिकार मिल गया है और इसी के साथ इस स्थल पर अयोध्या की तरह भव्य मंदिर बनाने का रास्ता भी बन गया है। ऐसे आस्था के स्थल आने वाले दिनों में हिंदू समाज को सत्य के लिए लड़ने और विजयी होने होने की प्रेरणा देंगे।

सत्य की जीत के लिए जो समाज लड़ता है, उसकी जीत के लिए जरूरी है कि उस समाज का ही कोई राजनीतिक नेतृत्व करे ।जब किसी देश मे एक समाज का ही राजनीतिक नेतृत्व होता है तो समाज को जीत में आसानी होती है क्योंकि वह रास्ते की बहुत सी बाधाओं को हटाने का काम करता है। इन बाधाओं के कारण ही फैसले मे 92 साल लगते है, पांच सौ साल लगते हैं लेकिन 2014 के बाद राजनीतिक नेतृत्व हिंदू समाज का है तो चाहे अयोध्या मामला हो या भोजशाला का मामला फैसला हुआ है और जल्द हुआ है। राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका भले ही फैसला कराने में न हो लेकिन वह बहुत कुछ ऐसा करता है कि फैसले में अनंत समय की देरी नही होती है ।यानी फैसला जल्द से जल्द होता है। हिंदू समाज को अयोध्या व भोजशाला के फैसले से सबक लेने की जरूरत है कि देश में उसका भला हिंदू समाज का राजनीतिक नेतृत्व होने में है।

नक्सल मुक्त बीजापुर में विकास की नई दस्तक

चार दशकों बाद फिर सजी पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की साप्ताहिक बाजारें, बंद पड़े हाट-बाजारों में लौटी रौनक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

कभी माओवाद के आतंक और भय के कारण वीरान पड़े बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल अब विकास, विश्वास और नई उम्मीदों की मिसाल बनते जा रहे हैं। नक्सलवाद से मुक्ति के बाद जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन तेजी से पटरी पर लौट रहा है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण उसूर ब्लॉक के आवापल्ली क्षेत्र अंतर्गत पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार हैं, जहां लगभग चार दशकों बाद फिर से रौनक लौट आई है।

एक समय ऐसा था जब इन क्षेत्रों में भय और असुरक्षा के कारण ग्रामीणों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी थी। माओवाद के प्रभाव के चलते यहां के पारंपरिक साप्ताहिक बाजार पूरी तरह ठप पड़ गए थे। लेकिन अब नक्सल मुक्त वातावरण बनने के बाद बाजारों में फिर से चहल-पहल दिखाई देने लगी है। ग्रामीण, व्यापारी और आदिवासी बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है।

बस्तर की पहचान हैं साप्ताहिक हाट-बाजार

बस्तर अंचल केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि वनोपज आधारित समृद्ध परंपराओं के लिए भी देशभर में जाना जाता है। यहां के साप्ताहिक हाट-बाजार स्थानीय संस्कृति, सामाजिक जीवन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं।

बीजापुर जिला चारों ओर से घने वनांचलों से घिरा हुआ है, जहां आदिवासी समुदाय का जीवन जंगल और वनोपज पर आधारित है। इमली, महुआ, टोरा, चिरौंजी, तेंदू जैसी बहुमूल्य वनोपज यहां के लोगों की आय का प्रमुख स्रोत हैं। ग्रामीण इन उत्पादों का संग्रहण कर साप्ताहिक बाजारों में विक्रय करते हैं तथा बदले में दैनिक जरूरत की वस्तुएं खरीदते हैं। इन बाजारों का महत्व केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेल-मिलाप, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सामुदायिक जीवन का भी केंद्र होते हैं।

चार दशकों तक सन्नाटा, अब लौट रही जीवन की रफ्तार

उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार कभी आसपास के अनेक गांवों की आर्थिक धुरी हुआ करते थे। लेकिन माओवादी गतिविधियों और असुरक्षा के माहौल ने इन बाजारों की रौनक छीन ली। धीरे-धीरे यहां व्यापार बंद हो गया और क्षेत्र आर्थिक रूप से प्रभावित होने लगा।

अब जब क्षेत्र पूरी तरह नक्सल मुक्त हो चुका है, तब वर्षों से बंद पड़े बाजारों में फिर से दुकानें सजने लगी हैं। ग्रामीण दूर-दराज के गांवों से बाजार पहुंच रहे हैं। महिलाएं वनोपज लेकर आ रही हैं तो छोटे व्यापारी दैनिक उपयोग की सामग्री बेचने पहुंच रहे हैं। बाजारों में फिर से स्थानीय बोली, पारंपरिक वेशभूषा और आदिवासी संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई देने लगी है।

आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

पुनः प्रारंभ हुए ये साप्ताहिक बाजार स्थानीय आदिवासी समुदाय के लिए आर्थिक संबल बनकर उभर रहे हैं। ग्रामीणों को अब अपने उत्पाद बेचने के लिए दूरस्थ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। इससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है तथा स्थानीय स्तर पर आय के नए अवसर भी बढ़ रहे हैं।

बाजारों के पुनर्जीवित होने से छोटे व्यापारियों, किसानों और वनोपज संग्राहकों को सीधा लाभ मिल रहा है। साथ ही क्षेत्र में परिवहन, छोटे व्यवसाय और अन्य आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिल रही है।

शांति और विकास का नया प्रतीक बन रहा बीजापुर

बीजापुर में लौटती बाजार संस्कृति यह दर्शाती है कि शांति स्थापित होने पर विकास की संभावनाएं किस प्रकार तेजी से आकार लेती हैं। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बाजार जैसी मूलभूत सुविधाओं के विस्तार से अब वनांचल के गांव भी मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के बाजारों में लौटती रौनक केवल व्यापार की वापसी नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा और समृद्ध भविष्य की वापसी का प्रतीक है। यह बदलता हुआ बीजापुर अब संघर्ष की नहीं, बल्कि विकास और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है।

बस्तर में सुशासन का सफर : अब गाँव की चौखट तक पहुँची बस सेवा

धनंजय राठौर (संयुक्त संचालक), अशोक कुमार चंद्रवंशी (सहायक जनसंपर्क अधिकारी) रायपुर

छत्तीसगढ़ का बस्तर अपनी नैसर्गिक सुंदरता और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है, लेकिन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण यहां के कई गांव दशकों से मुख्यधारा से कटे हुए थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने इस दूरी को पाटते हुए 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा' के जरिए विकास का एक नया अध्याय शुरू किया है।

अब बस्तर के सुदूर वनांचलों में विकास की एक नई बयार बह रही है। वहीं दशकों के इंतजार के बाद, अब गांवों की पगडंडियों पर भी अब बस के पहिए थिरकने लगे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और परिवहन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ सरकार अंत्योदय के संकल्प को चरितार्थ कर रही है।

दशकों का सपना, अब हुआ साकार

आजादी के बाद से जिन 425 गांवों के ग्रामीणों ने केवल पैदल चलने या निजी साधनों पर निर्भर रहने की नियति चुनी थी, आज वहां नियमित बसों की आवाज और उनके हॉर्न गूंज रही हैं। बस्तर संभाग के 50 विभिन्न मार्गों पर मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा की 52 बसों का सफल संचालन किया जा रहा है। यह मात्र एक परिवहन सेवा नहीं, बल्कि उन ग्रामीणों की उम्मीदों की उड़ान है, जो अब अपने घर की दहलीज से सीधे शहर की ओर जुड़ रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि परिवहन मंत्री श्री केदार कश्यप के सक्रिय प्रयासों और परिवहन सचिव श्री एस. प्रकाश के मार्गदर्शन से इन मार्गों का चयन बहुत ही व्यावहारिक तरीके से किया गया है। इस योजना का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीणों को हाट-बाजार, अस्पताल और शिक्षण संस्थानों तक पहुँचने में कोई बाधा न आए। परिवहन विभाग अब केवल शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि श्अंतिम छोर के व्यक्तिश तक सेवा पहुंचाने के लक्ष्य पर काम कर रहा है।

बदलाव के तीन प्रमुख स्तंभ:

शिक्षा की नई रोशनी

सुदूर क्षेत्रों के छात्र अब उच्च शिक्षा के लिए शहरों के कॉलेजों तक आसानी से आ-जा पा रहे हैं। परिवहन की सुविधा ने युवाओं के सपनों को नई गति दी है।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच अब सुलभ हो गई है। आपातकालीन स्थिति हो या नियमित जाँच, ग्रामीणों को अब निजी वाहनों के भारी खर्च और असुरक्षित सफर से मुक्ति मिली है।

आर्थिक सशक्तिकरण

बस्तर की आर्थिक रीढ़ यहाँ की लघु वनोपज और कृषि उत्पाद हैं। बस सेवा शुरू होने से ग्रामीण अपनी उपज को कम लागत में बड़े बाजारों तक पहुँचा पा रहे हैं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो रही है।

विकास और विश्वास का संगम

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का विश्वास है कि श्जब तक गाँव नहीं जुड़ेंगे, तब तक विकास की गति अधूरी है। यह मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना कठिन भौगोलिक बाधाओं को पार कर शासन के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत कर रही है। पथरीले रास्तों पर बने पक्के सड़क और घने जंगलों के बीच चलती ये बसें इस बात का प्रमाण हैं कि यदि इच्छाशक्ति दृढ़ हो, तो विकास का मार्ग हर बाधा को पार कर गांव-गांव तक पहुंच ही जाता है।

आज 'मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा' ने बस्तर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदल दी है। यह सुशासन का वह सफर है, जहां सरकार खुद जनता के द्वार-द्वार तक पहुंच रही है। अब बस्तर थमेगा नहीं, बल्कि विकास की राह पर तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगा।

दंतेवाड़ा का दंतेश्वरी मंदिर : जनजातीय परंपरा और सनातन आस्था का प्रतीक

नई दृष्टिबिंदु / दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ के दक्षिणी अंचल बस्तर की सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक चेतना का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र दंतेवाड़ा स्थित दंतेश्वरी मंदिर। शंखिनी और डंकिनी नदियों के पवित्र संगम तट पर स्थित यह मंदिर केवल श्रद्धा का प्रतीक नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जनजातीय परंपराओं का जीवंत दस्तावेज भी है। देवी दंतेश्वरी को संपूर्ण बस्तर अंचल की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है और यह मंदिर देश के प्रमुख शक्तिपीठों में विशेष स्थान रखता है। मान्यता है कि जब माता सती ने अपने पिता दक्ष के यज्ञ में आत्मदाह किया और भगवान शिव उनके शरीर को लेकर तांडव करने लगे, तब भगवान विष्णु ने सुदर्शन चक्र से माता सती के शरीर के अंगों को पृथ्वी पर अलग-अलग स्थानों पर गिराया। जिस स्थान पर माता का दांत गिरा, वही स्थान आगे चलकर दंतेश्वरी कहलाया। इसी कारण दंतेवाड़ा को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है।

इतिहासकारों के अनुसार दंतेश्वरी मंदिर का निर्माण लगभग 14वीं शताब्दी में काकतीय वंश के शासक राजा अन्नमदेव द्वारा कराया गया था। माना जाता है कि अन्नमदेव वारंगल से बस्तर आए थे और उन्होंने यहाँ काकतीय वंशी शासन की स्थापना की। देवी दंतेश्वरी उनकी आराध्य देवी थीं, इसलिए उन्होंने इस भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। समय-समय पर बस्तर रियासत के विभिन्न शासकों द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार भी कराया गया।

विशेष रूप से वर्ष 1932-33 में महारानी प्रफुल्ल कुमारी देवी द्वारा मंदिर के संरक्षण और पुनर्निर्माण का कार्य कराया गया था। ऐसा माना जाता है कि दंतेवाड़ा का नाम भी देवी दंतेश्वरी के नाम पर ही पड़ा माना जाता है और सदियों से यह मंदिर बस्तर के सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन का केंद्र बना हुआ है।

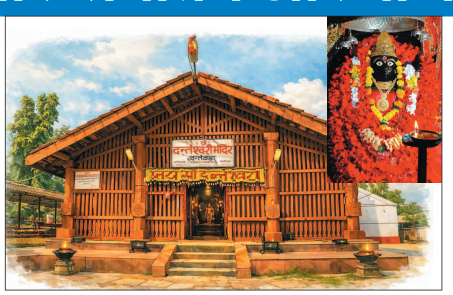

दंतेश्वरी मंदिर भारतीय प्राचीन स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर की संरचना में दक्षिण भारतीय और स्थानीय बस्तर शैली का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विशाल पत्थरों से निर्मित इस मंदिर में सभा मंडप, मुख मंडप, महामंडप और गभर्गृह जैसे प्रमुख भाग हैं। मंदिर का ऊँचा शिखर दूर से ही श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करता है। गभर्गृह में स्थापित देवी दंतेश्वरी की प्रतिमा काले ग्रेनाइट पत्थर से निर्मित है, जिसमें देवी को छह भुजाओं के साथ दर्शाया गया है। मंदिर परिसर में नक्काशीदार स्तंभ, प्राचीन मूतिर्यां और पत्थरों पर की गई कलात्मक आकृतियाँ मध्यकालीन शिल्पकला की उत्कृष्टता को दर्शाती हैं।

पुरातात्विक दृष्टि से यह मंदिर बस्तर के मध्यकालीन इतिहास और काकतीय वंशी स्थापत्य शैली का महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जाता है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में मौजूद प्राचीन अवशेष इतिहासकारों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

दंतेश्वरी मंदिर का सबसे भव्य स्वरूप बस्तर दशहरा के दौरान दिखाई देता है। लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह उत्सव देश के अन्य दशहरा आयोजनों से पूरी तरह अलग और विशिष्ट है। यह पर्व देवी दंतेश्वरी को समर्पित होता है और इसमें बस्तर के विभिन्न जनजातीय समुदाय पारंपरिक वेशभूषा और लोक वाद्यों के साथ भाग लेते हैं। बस्तर दशहरा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का विराट उत्सव है। नवरात्रि और फागुन मेले के समय भी यहाँ हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुँचते हैं और मंदिर परिसर दीपों तथा पारंपरिक सजावट से जगमगा उठता है।

शंखिनी और डंकिनी नदियों के संगम पर स्थित यह क्षेत्र घने जंगलों, पहाड़ियों और प्राकृतिक हरियाली से घिरा हुआ है। यहाँ आने वाले पर्यटकों को आध्यात्मिक शांति के साथ-साथ बस्तर की जनजातीय संस्कृति और प्रकृति का अद्भुत अनुभव प्राप्त होता है। मंदिर के आसपास का वातावरण श्रद्धा और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।

दंतेश्वरी मंदिर तक पहुँचना काफी सुविधाजनक है। सड़क मार्ग से दंतेवाड़ा छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। रायपुर से इसकी दूरी लगभग 400 किलोमीटर है तथा रायपुर, जगदलपुर, बिलासपुर, दुर्ग और विशाखापट्टनम से नियमित बस सेवाएँ उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 के माध्यम से सड़क यात्रा सहज और सुगम है। रेल मार्ग से दंतेवाड़ा रेलवे स्टेशन विशाखापट्टनम और जगदलपुर से जुड़ा हुआ है। किरंदुल रेलखंड भी इस क्षेत्र को रेल संपर्क प्रदान करता है। वायु मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए निकटतम हवाई अड्डा जगदलपुर एयरपोर्ट है, जो लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित है। वहाँ से टैक्सी और बस सेवाओं के माध्यम से दंतेवाड़ा पहुँचा जा सकता है।

दंतेश्वरी मंदिर के आसपास अनेक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भी स्थित हैं, जिनमें चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़ जलप्रपात, कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान, बारसूर का प्राचीन मंदिर तथा ढोलकल का गणेश मंदिर प्रमुख हैं। यही कारण है कि दंतेवाड़ा धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन का भी महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभर रहा है।

आज दंतेश्वरी मंदिर केवल बस्तर की आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण धरोहर बन चुका है। यहाँ की प्राचीन स्थापत्य कला, शक्तिपीठ की मान्यता, जनजातीय परंपराएँ और प्राकृतिक सौंदर्य हर आगंतुक को एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते हैं। दंतेश्वरी मंदिर की यात्रा वास्तव में बस्तर की आत्मा, इतिहास और संस्कृति को निकट से महसूस करने की यात्रा है।

सहकार से समृद्धि छत्तीसगढ़ में खुशहाली का नया मार्ग

धनंजय राठौर (संयुक्त संचालक), अशोक कुमार चंद्रवंशी (सहायक जनसंपर्क अधिकारी) रायपुर

छत्तीसगढ़ में सहकारिता आंदोलन राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो अब श्सहकार से समृद्धिश के विजन के साथ विकास के एक नए और आधुनिक ढांचे में बदल रहा है। विष्णुदेव साय सरकार के नेतृत्व में सहकारी समितियों को मजबूत कर ग्रामीण विकास और किसान सशक्तिकरण को नई गति दी जा रही है। एक अकेला थक जाएगा, मिलकर बोझ उठाना। सहकारिता के इस शाश्वत मंत्र को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि विजन ने आज भारत के ग्रामीण और शहरी परिदृश्य में एक नई क्रांति का आधार बना दिया है। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में यह संकल्प आज एक आर्थिक संबल बनकर उभर रहा है। यह मात्र एक व्यवस्था नहीं, बल्कि अंत्योदय की वह भावना है जहाँ समाज का अंतिम व्यक्ति विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भर बन रहा है।

सहकारिता विकास का आधुनिक ढांचा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व और सहकारिता मंत्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ ने सहकारिता के दायरे को केवल कृषि तक सीमित न रखकर इसे व्यापार और सेवा क्षेत्र का प्रमुख स्तंभ बना दिया है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की संकल्पनाओं को धरातल पर उतारते हुए राज्य के सहकारी ढांचे का अभूतपूर्व विस्तार किया गया है।

समृद्धि के प्रमुख आधार क्रांतिकारी कदम

सहकारिता के माध्यम से खुशहाली सुनिश्चित करने हेतु निम्नलिखित प्रयास किए जा रहे हैं। 515 नवीन पैक्स का गठन सहकारी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए राज्य में 515 नई प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का गठन किया गया है। अब राज्य में कुल पैक्स समितियों की संख्या 2 हजार 573 हो गई है। ये समितियाँ अब केवल ऋण वितरण नहीं, बल्कि बहुउद्देश्यीय केंद्रों के रूप में कार्य कर रही हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा

इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को खाद-बीज के साथ-साथ जन औषधि केंद्र, उर्वरक वितरण और कॉमन सर्विस सेंटर जैसी सुविधाएं सीधे उनके गांव में मिल रही हैं। विश्व की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के तहत किसान अब अपनी उपज का स्थानीय स्तर पर सुरक्षित भंडारण कर सकेंगे। इससे उन्हें फसल को कम दामों पर बेचने की मजबूरी से मुक्ति मिलेगी। महिला और युवा सशक्तिकरण को बढावा देने दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में सहकारी समितियों के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को उद्यमिता से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि की जा रही है।

तकनीक, पारदर्शिता और सुशासन

सहकारिता में स्व से ऊपर सर्व के कल्याण की भावना निहित है। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस क्षेत्र में डिजिटलीकरण पर विशेष जोर दिया है। समितियों के कंप्यूटरीकरण से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और हर लेनदेन पारदर्शी हुआ है। ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से स्थानीय सहकारी उत्पादों को अब राष्ट्रीय और वैश्विक मंच प्राप्त हो रहा है।

विकसित छत्तीसगढ़ - विकसित भारत

सहकार से समृद्धि केवल एक नारा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के लाखों किसानों, महिलाओं और युवाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला एक जीवंत अभियान है। जब हमारे गांव के पैक्स केंद्र सशक्त होंगे, तभी राष्ट्र समृद्ध होगा। जुड़िए सहकारिता से, बढ़िए समृद्धि की ओर की पहल के साथ छत्तीसगढ़ आज विकास के ऐसे मॉडल की ओर अग्रसर है, जहाँ सामूहिक सहयोग ही प्रत्येक व्यक्ति की प्रगति का आधार है।

छत्तीसगढ़ में सहकारिता केवल ऋण वितरण का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी ग्रामीण आत्मनिर्भरता का आधार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के श्सहकार से समृद्धिश के संकल्प को आत्मसात करते हुए हमारी सरकार प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने सहकारी समितियों (पैक्स) को बहुउद्देशीय केंद्रों के रूप में विकसित किया है, ताकि किसान और ग्रामीण महिलाओं को उनके गांव के समीप ही खाद-बीज के साथ-साथ बैंकिंग, स्वास्थ्य और तकनीकी सुविधाएँ मिल सकें। जब हमारा गांव और वहां का सहकारी तंत्र मजबूत होगा, तभी हम श्विकसित छत्तीसगढ़श और श्विकसित भारतश के स्वप्न को साकार कर पाएंगे।

भारतीय मूल के आरोन राय ने रचा इतिहास

पहला पीजीए चैंपियनशिप खिताब जीता

पेनसिल्वेनिया (एजेंसी)। भारतीय मूल के इंग्लिश गोल्फर आरोन राय ने 2026 पीजीए चैंपियनशिप जीतकर अपने करियर का सबसे बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। पेनसिल्वेनिया के एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में खेले गए टूर्नामेंट में राय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला मेजर खिताब जीता। 31 वर्षीय आरोन राय ने फाइनल राउंड में शानदार संयम दिखाया और 9-अंडर पार के स्कोर के साथ चैंपियन बने।

68 फीट के बर्डी पुट ने बदल दिया मैच - टूर्नामेंट का सबसे यादगार पल 17वें होल पर देखने को मिला, जब आरोन राय ने 68 फीट लंबा शानदार बर्डी पुट लगाया। इस शानदार शॉट ने उन्हें बाकी खिलाड़ियों से तीन स्ट्रोक आगे पहुंचा दिया और यहीं से उनकी जीत लगभग तय हो गई। 18वें होल पर उन्होंने शांत अंदाज में पार पूरा किया और प्रतिष्ठित वानामेकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

100 साल बाद इंग्लैंड को मिला पीजीए चैंपियन - आरोन राय 1919 के बाद पीजीए चैंपियनशिप जीतने वाले पहले इंग्लिश खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले जिम बार्न्स ने यह खिताब जीता था। यह जीत उनके लिए इसलिए भी खास रही क्योंकि 2026 सीजन में वह लगातार संघर्ष कर रहे थे और कई मौकों पर निराशा हाथ लगी थी।

करियर की सबसे बड़ी जीत - पीजीए चैंपियनशिप जीतने के बाद आरोन राय अब गोल्फ की दुनिया के नए मेजर चैंपियन बन गए हैं। एरोनिमिंक में उनका यह प्रदर्शन 2026 सीजन के सबसे यादगार फाइनल राउंड में गिना जा रहा है।

जीत के बाद भावुक हुए आरोन राय - खिताब जीतने के बाद आरोन राय ने कहा, यह सब किसी सपने जैसा लग रहा है। यह सीजन मेरे लिए काफी निराशाजनक रहा था, इसलिए यहां खड़े होकर ट्रॉफी जीतना मेरी कल्पना से भी बाहर है। उन्होंने गोल्फ को जिंदगी सिखाने वाला खेल बताते हुए कहा, गोल्फ आपको विनम्रता, अनुशासन और कड़ी मेहनत सिखाता है। इस खेल में कुछ भी आसानी से नहीं मिलता।

दूसरे खिलाड़ियों का प्रदर्शन - आरोन राय ने 9-अंडर पार के स्कोर के साथ टूर्नामेंट खत्म किया। उनके पीछे एलेक्स स्मैली और जॉन रहम 6-अंडर पार के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर रहे। वहीं मैटी शिमड, लुडविग ऑबर्ग और जस्टिन थॉमस 5-अंडर पार के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल 2026 के 62वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान ने 193 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। रविवार को वैभव सूर्यवंशी एक सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए।

वहीं, केएल राहुल ने आईपीएल में 8वीं बार 500+ रन पूरे किए। यशस्वी जायसवाल ने टी-20 क्रिकेट अपने 4 हजार रन पूरे किए।

सूर्यवंशी ने सीजन में 44 सिक्स लगाए - राजस्थान के ओपनर वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में 44 छक्के लगा चुके हैं।

वे किसी एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा का 42 छक्कों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा।

राहुल आईपीएल में 50 बार 50+ स्कोर बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने - राहुल आईपीएल इतिहास में 50 बार 50+ स्कोर बनाने वाले सिर्फ पांचवे बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में विराट कोहली सबसे आगे हैं, जिनके नाम 76 फिफ्टी प्लस स्कोर हैं।

राहुल और पोरेल ने नाबाद 105 रन जोड़े

राहुल और अभिषेक पोरेल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 105 रन की नाबाद साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए दिल्ली को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। यह राजस्थान के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स की चौथी 100+ रन की साझेदारी रही।

यशस्वी के 129 पारी में 4 हजार टी-20 रन

राजस्थान रॉयल्स के ओपनर यशस्वी जायसवाल ने टी20 क्रिकेट में 4000 रन पूरे कर लिए। उन्होंने यह उपलब्धि 129 पारियों में हासिल की। वह सबसे कम पारियों में 4000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

वैभव ने इस सीजन पहली गेंद पर तीसरी बार सिक्स लगाया

वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन तीसरी बार अपनी पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। आईपीएल इतिहास में एक सीजन में तीन बार पहली गेंद पर सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है। उनसे पहले शाहरुख खान ने 2023, सुनील नरेन 2025, देवदत्त पडीक्कल 2026 में ऐसा कर चुके हैं। आईपीएल में यह 8वीं बार रहा, जब वैभव ने अपनी पारी की शुरुआत सिक्स से की।

- **राहुल का 8वां 500+ रन वाला आईपीएल सीजन** - केएल राहुल ने आईपीएल में 8वीं बार 500 से ज्यादा रन पूरे किए। वह अब आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा 500+ रन वाले सीजन खेलने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मामले में सिर्फ विराट कोहली उनसे आगे हैं। राहुल ने लगातार तीसरे आईपीएल सीजन में 500+ रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 2024, 2025 और 2026 में यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले राहुल 2018 से 2022 तक लगातार 5 सीजन 500+ रन बना चुके हैं।
- **राहुल ने राजस्थान के खिलाफ सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाए** - दिल्ली के बल्लेबाज केएल राहुल ने राजस्थान के खिलाफ एक और बड़ी पारी खेलते हुए आईपीएल में अपना 9वां 50+ स्कोर बनाया। इसके साथ ही वह राजस्थान के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने एबी डिविलियर्स का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने ऋक्के खिलाफ 8 बार 50+ स्कोर बनाए थे। राहुल ने यह उपलब्धि सिर्फ 19 पारियों में हासिल की।

लगातार छठी हार के बाद गावस्कर का बड़ा बयान

मुझे पंजाब किंग्स के प्लेऑफ में पहुंचने पर हैरानी नहीं होगी

मुंबई (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों हार के बाद (लगातार छठी हार थी) पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें अब भी पीबीकेएस के प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने पर हैरानी नहीं होगी। इसकी वजह है राजस्थान रॉयल्स (केके) का हालिया खराब प्रदर्शन और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के आगे आने वाले दो मुश्किल मैच।

स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव पर बोलते हुए गावस्कर ने कहा, मुझे पंजाब किंग्स के प्लेऑफ में पहुंचने पर हैरानी नहीं होगी, क्योंकि राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमें क्वालिफाई न करने की पूरी कोशिश कर रही हैं। वे दिल्ली के खिलाफ यह मैच एक जीतने लायक स्थिति से हार गए और अगर राजस्थान जीतने वाली स्थितियों से हारना जारी रखती है, तो पंजाब को बस अपना अगला मैच जीतना होगा। इससे वे 15 अंकों तक पहुंच जाएंगे, जो शायद काफी हो। उन्होंने आगे कहा, सनराइजर्स पंजाब से आगे हैं, और सीएसके अब भी 14 या यहां तक कि 16 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन अगर सीएसके एक मैच हार जाती है, तो पंजाब के पास क्वालिफाई करने का एक बहुत ही ठोस मौका होगा। पीबीकेएस का सफर ऐतिहासिक सात मैचों की अजेय दौड़ के साथ शुरू हुआ था जिसमें छह जीत और एक बिना नतीजे वाला मैच शामिल था, अब पूरी तरह से उथल-पुथल में बदल गया है। आरसीबी के हाथों 23 रनों की हार के दौरान पीबीकेएस की बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों की कमजोरियां लगातार सामने आती रहीं। 2025 की उप-विजेता टीम 13 अंकों के साथ अब भी चौथे स्थान पर है। फाइनल चार में बने रहने का कोई भी मौका पाने के लिए उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपना आखिरी मैच जीतना होगा, ताकि वे 15 अंकों तक पहुंच सकें। इसके अलावा पीबीकेएश को यह दुआ करनी चाहिए कि चौथे प्लेऑफ स्थान के लिए उनके सबसे सीधे प्रतिद्वंद्वी सीएसके (एसआरएच और जीटी के खिलाफ), आरआर (एलएसजी और मुंबई के खिलाफ) और केकेआर (डीसी और मुंबई के खिलाफ़ दो मैच बाकी) अपने बाकी बचे मैचों में से सिर्फ एक-एक मैच जीतें, या फिर बिल्कुल भी न जीतें। अगर ऐसा होता है और पीबीकेएस अपना आखिरी मैच जीत जाती है तो पीबीकेएस चौथे स्थान पर बनी रहेगी और प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर जाएगी।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, शानदार फिफ्टी के दम पर रोहित-कोहली के खास क्लब में शामिल

नईदिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ शानदार अर्धशतकीय पारी खेलते हुए आईपीएल इतिहास में बड़ा मुकाम हासिल कर लिया। राहुल ने अपने आईपीएल करियर का 50वां 50+ स्कोर पूरा किया और साथ ही आठवीं बार एक सीजन में 500 से ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दिल्ली ने राजस्थान को 5 विकेट से हराकर प्लेऑफ की उम्मीदों को जिंदा रखा।

विराट कोहली के खास क्लब में पहुंचे केएल राहुल

केएल राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले खिलाड़ियों की एलीट लिस्ट में शामिल हो गए हैं। इस सूची में विराट कोहली, डेविड वॉर्नर, शिखर धवन और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज शामिल हैं

आईपीएल में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर

76 - विराट कोहली (9 शतक, 67 अर्धशतक)
66 - डेविड वॉर्नर (4 शतक, 62 अर्धशतक)
53 - शिखर धवन (2 शतक, 51 अर्धशतक)
51 - रोहित शर्मा (2 शतक, 49 अर्धशतक)
50 - केएल राहुल (6 शतक, 44 अर्धशतक)

इसके अलावा राहुल ने आईपीएल में आठवीं बार 500+ रन का सीजन पूरा किया, जो विराट कोहली (9) के बाद दूसरा सबसे ज्यादा है।

इस सीजन राहुल का दमदार प्रदर्शन - केएल राहुल इस सीजन दिल्ली कैपिटल्स के सबसे सफल बल्लेबाज रहे हैं। उन्होंने 14 पारियों में 533 रन बनाए हैं। उनका औसत 44.41 और स्ट्राइक रेट लगभग 172 का रहा है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152* रहा है।

राजस्थान के खिलाफ फिर चला राहुल का बल्ला -राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ राहुल का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने आरआर के खिलाफ 19 पारियों में 882 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 51.88 और स्ट्राइक रेट 135.27 का रहा है। उनके नाम आरआर के खिलाफ नौ अर्धशतक दर्ज हैं।

आरआर ने बनाए 193 रन -मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। राजस्थान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और यशस्वी जायसवाल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों में 46 रन की विस्फोटक पारी खेली।

कूपर कॉनोली ने आईपीएल में बनाया बड़ा रिकॉर्ड, डेब्यू सीजन में जयसूर्या को छोड़ा पीछे

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स को 23 रन से हराकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 20 ओवर में 222/4 का विशाल स्कोर बनाया, जिसके जवाब में पंजाब किंग्स 199/8 ही बना सकी। हालांकि हार के बावजूद पीबीकेएस के युवा ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज कूपर कॉनोली ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

कूपर कॉनोली ने तोड़ा जयसूर्या का रिकॉर्ड

कूपर कॉनोली आईपीएल के डेब्यू सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या को पीछे छोड़ दिया। कॉनोली ने आरसीबी के खिलाफ 22 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 3 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। इसी के साथ उनके इस सीजन में छक्कों की संख्या 32 पहुंच गई। वहीं सनथ जयसूर्या ने आईपीएल 2008 के पहले सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए 31 छक्के लगाए थे।

शानदार फॉर्म में हैं कॉनोली - पीबीकेएस के लिए कूपर कॉनोली इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने 12 पारियों में 473 रन बनाए हैं। उनका औसत 47.30 और स्ट्राइक रेट 162.54 का रहा है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 107* रहा है।

विराट और वेंकटेश ने पीबीकेएस पर बरपाया कहर -मैच में पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और जैकब बेथेल जल्दी आउट हो गए। इसके बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने शानदार साझेदारी कर टीम को संभाला। विराट कोहली ने 37 गेंदों में 58 रन बनाए, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 25 गेंदों में 45 रन की पारी खेली। इसके बाद वेंकटेश अय्यर ने 40 गेंदों में नाबाद 73 रन ठोक दिए। टिम डेविड ने भी 12 गेंदों में 28 रन बनाकर टीम को 222 रन तक पहुंचाया।

पीबीकेएस की कोशिश नाकाम - 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरुआत बेहद खराब रही। प्रभसिमरन सिंह, प्रियांश आर्य और कप्तान श्रेयस अय्यर जल्दी आउट हो गए। इसके बाद कूपर कॉनोली और सूर्यांश शेडगे ने टीम को संभालने की कोशिश की। बाद में मार्कस स्टोइनिस और शशांक सिंह ने तेज बल्लेबाजी करते हुए मुकाबले में वापसी दिलाने का प्रयास किया। शशांक ने 27 गेंदों में 56 रन बनाए, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। ऋक्क के लिए रसिख सलाम डार ने 3 विकेट लिए, जबकि भुवनेश्वर कुमार ने 2 विकेट झटके।

प्लेऑफ में पहुंची आरसीबी, पीबीकेएस की मुश्किलें बढ़ीं -इस जीत के साथ आरसीबी ने 18 अंकों के साथ आईपीएल 2026 प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है और टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। वहीं पंजाब किंग्स को लगातार छठी हार का सामना करना पड़ा। अब पीबीकेएस को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने आखिरी मुकाबले में जीत के साथ दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा।

धोनी एनएसजी कमांडो ट्रेनिंग सेंटर पहुंचे, मशीनगन चलाई

पिस्टल से निशाना भी लगाया, कमांडोज से पूछा- फिट लग रहा हूं

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के बीच रविवार को चेन्नई में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड्स (एनएसजी) के रीजनल हब पहुंचे। यहां उन्होंने सब-मशीनगन (छोटी मशीनगन) चलाई। साथ ही पिस्टल से भी निशाना लगाया। 44 साल के धोनी ने यहां कमांडोज और उनके परिवारों के साथ समय बिताया। उनके साथ खाना खाया। उन्होंने कमांडोज से पूछा- फिट लग रहा हूं न। इस पर जवानों ने सहमति देते हुए कहा- पिछली बार जब आए थे, तब इससे भी फिट थे। तब धोनी ने कहा- जैसे-जैसे टाइम बढ़ता है, मेहनत ज्यादा करनी पड़ती है। वे 2023 में एनएसजी कैंप में शामिल हो चुके हैं। धोनी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। हालांकि, वे काफ स्ट्रेन (पिंडली की चोट) के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं।

टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं धोनी - एमएस धोनी टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल हैं। वे पैराशूट रेजीमेंट की 106 पैरा टेरिटोरियल आर्मी बटालियन का हिस्सा हैं। उन्होंने कश्मीर में भारतीय सेना के साथ दो हफ्ते की ट्रेनिंग भी की। बाद में उनका बूट पॉलिश करते हुए फोटो भी सामने आया था।

धोनी और सैन्य बलों का पुराना नाता

- 2011- टेरिटोरियल आर्मी की पैराशूट रेजीमेंट में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद रैंक से सम्मानित किया गया।
- 2015- आगरा में सैन्य एयरक्राफ्ट से 5 अनिवार्य जंप पूरी कर क्वालिफाइड पैराट्रूपर बने।
- 2018- जब राष्ट्रपति भवन में पद्म भूषण सम्मान मिला तो धोनी सेना की यूनिफॉर्म पहनकर मार्च करते हुए अवॉर्ड लेने पहुंचे।
- 2019- वर्ल्ड कप के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से ब्रेक लेकर जम्मू-कश्मीर में 106 इन्फैंट्री बटालियन के साथ 2 हफ्ते बिताए, जहां उन्होंने गार्ड ड्यूटी और पेट्रोलिंग भी की।

मुझसे कहा गया था कि पुलिस का रोल करोगे तो कॉमेडी लगेगा

अभिनेता सैफ अली खान 'कर्तव्य' फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। गुरुवार को ट्रेलर लॉन्च के मौके पर सैफ ने अपने करियर के शुरुआती दिनों का किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि कैसे एक समय पर फिल्म निर्देशक ने उन्हें पुलिस का किरदार न निभाने की सलाह दी थी, क्योंकि उनके चेहरे पर वह 'गंभीरता' नहीं थी। सैफ ने कहा, 'मुझे आज भी याद है कि जब मैंने पहली बार फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के लिए पुलिस वर्दी पहनी थी और हम फिल्म का क्लाइमेक्स शूट कर रहे थे। उस समय फिल्म में अक्षय कुमार पुलिस अधिकारी की भूमिका में थे और मैं एक साधारण सा किरदार निभा रहा था। मैं उस समय फिल्म जगत की बारीकियां सीखने की कोशिश कर रहा था।' सैफ ने आगे बताया कि उस फिल्म के निर्देशक ने उनसे कहा था, 'अपनी जिंदगी में कभी भी पुलिस वाले का रोल गंभीरता से मत करना, क्योंकि तुम यह नहीं कर सकते। तुम्हारे अंदर वह ताकत या दम नहीं है कि तुम पुलिस वाले लग सको। अगर तुम यह रोल करोगे तो यह एक कॉमेडी जैसा लगेगा, इसलिए इसे कभी ट्राई मत करना। सैफ ने कहा कि उस समय मिली टिप्पणी मेरे लिए एक सबक की तरह थी। अभिनेता ने आगे कहा, 'यह कमाल की बात है कि अगर आप लगातार अभ्यास करते रहें, सीखते रहें और आगे बढ़ते रहें, तो समय के साथ आप बेहतर होते जाते हैं। बिना दबाव के काम बोरिंग लगने लगते हैं। अगर बिल्कुल प्रेशर न हो तो काम में मजा नहीं आता। थोड़ा-बहुत तो प्रेशर होने से ही बेस्ट निकलता है। हालांकि, हर दिन एक जैसा नहीं होता है। फिल्मों में अक्सर ऐसा होता है कि एक दिन बहुत मुश्किल होता है, तो अगला दिन थोड़ा संतुलित और आसान। इसी उतार-चढ़ाव में काम करने का अपना ही मजा होता है।' ब अभिनेता से पूछा गया कि उनके लिए रोमांटिक-कॉमेडी करना आसान है या फिर कर्तव्य जैसे गंभीर किरदार, तो सैफ ने इस सवाल का जवाब बड़ी बेबाकी से दिया। उन्होंने स्वीकार करते हुए कहा कि शहरों में पले-बढ़े होने के कारण उनके लिए 'रोम-कॉम' फिल्में करना कहीं अधिक सहज है।

मां नहीं देती करियर में दखल, फैसले हमेशा अपने दिल से लेती हूं

बॉलीवुड एक्ट्रेस पलक तिवारी लगातार अपने करियर को लेकर चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह अपनी वेब सीरीज 'लुक्खे' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच बातचीत में उन्होंने अपनी मां और टीवी की मशहूर अभिनेत्री श्वेता तिवारी के साथ बॉन्ड को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि मां ने उनके करियर में कभी भी दखल नहीं दिया। उन्होंने जो भी अब तक फैसले लिए हैं, खुद और दिल से लिए हैं। आईएएनएस से बात करते हुए पलक तिवारी ने कहा, 'मेरी और मेरी मां की जिंदगी पूरी तरह अलग दौर और अनुभवों से गुजरी है, जिसके चलते हम दोनों के सोचने का तरीका अलग है। कहानियों को समझने का नजरिया भी अलग है। एक कलाकार के तौर पर हर व्यक्ति का अपना एक अलग सफर होता है, और उसी सफर के अनुभव उसके फैसलों को प्रभावित करते हैं। मेरी मां ने जिस समय और माहौल में काम किया, वह आज के समय से बहुत अलग था, इसलिए हम दोनों के दृष्टिकोण भी अलग हैं।' पलक ने कहा, ''मेरी मां कभी भी मेरे करियर में दखल नहीं देतीं। वह सिर्फ मार्गदर्शन करती हैं, लेकिन किसी भी तरह का दबाव नहीं डालतीं। उन्होंने हमेशा से मुझे स्वतंत्र रूप से सोचने और फैसले लेने के लिए प्रेरित किया है। उनका मानना है कि कलाकार को अपने फैसले खुद लेने चाहिए, क्योंकि वही उसके करियर को सही दिशा देते हैं।'' इंटरव्यू के दौरान पलक ने बताया, ''मां हमेशा मुझसे यही पूछती हैं कि जो प्रोजेक्ट मैं चुन रही हूं, क्या वह सच में मेरे दिल को पसंद है या नहीं। वह मुझे किसी भी प्रोजेक्ट के लिए मजबूर नहीं करतीं, बल्कि

यह समझने की कोशिश करती हैं कि क्या वह काम पलक के लिए सही है या नहीं।'' पलक ने आगे कहा, ''मां ने हमेशा मुझे यह सलाह दी है कि मैं अपने दिल की आवाज को सुनूं। एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी चीज यही है कि वह अपने काम से भावनात्मक रूप से जुड़ा हो। अगर कहानी या किरदार अंदर से महसूस नहीं होता, तो उसे करना सिर्फ एक काम बनकर रह जाता है, जबकि अभिनय का असली मजा तभी आता है, जब वह दिल से जुड़ा हो।''

राजनीति में आने की चर्चाओं पर दिलजीत दोसांझ ने तोड़ी चुप्पी

पंजाबी संगीत और फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ इन दिनों एक अलग वजह से चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या दिलजीत दोसांझ आने वाले समय में पंजाब की राजनीति का नया चेहरा बन सकते हैं। दरअसल, उनकी बढ़ती लोकप्रियता, युवाओं के बीच उनकी मजबूत पहचान और समाज से जुड़े मुद्दों पर उनकी खुलकर राय रखने की वजह से लोग इस तरह की बातें कर रहे हैं। अब इन सभी चर्चाओं के बीच दिलजीत दोसांझ ने अपनी चुप्पी तोड़ी और साफ किया कि उनका राजनीति में आने का कोई इरादा नहीं है। दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स की टाइमलाइन पर एक पंजाबी अखबार की खबर को फिर से शेयर किया। इस खबर में सवाल पूछा गया था कि क्या दिलजीत दोसांझ पंजाब का नया राजनीतिक चेहरा बन सकते हैं। खबर में उनकी बढ़ती लोकप्रियता और लोगों के बीच उनकी मजबूत इमेज का जिक्र किया गया। यह पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं तेज हो गई और राय देने लगे कि अगर दिलजीत राजनीति में आते हैं तो वह पंजाब के लिए नई सोच ला सकते हैं।

दिलजीत दोसांझ ने इस पूरे मामले पर सीधा जवाब दिया। उन्होंने अपने पोस्ट में पंजाबी में लिखा, 'कदे वी नहीं', यानी वह कभी राजनीति में नहीं आएंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा, ''मेरा काम लोगों का एंटरटेनमेंट करना है और मैं अपने इसी काम में बहुत खुश हूं। आप लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद।'' दरअसल, यह चर्चा उस समय ज्यादा बढ़ गई जब 'जागो पंजाब मंच' नाम के एक समूह की अपील सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी। यह अपील सीधे दिलजीत दोसांझ के नाम लिखी गई थी। इसमें पंजाब के लोगों से जागने, बदलाव लाने और उम्मीद बनाए रखने की बात कही गई। इस अपील में पंजाब की हालत को लेकर कई गंभीर बातें कही गई थीं। इसमें लिखा गया, ''राज्य लगातार मुश्किलों का सामना कर रहा है और समाज में टूटन बढ़ती जा रही है। सांप्रदायिक तनाव जैसे खतरे बढ़ रहे हैं और अब इन मुद्दों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

तृषा बनेंगी कमल हसन और रजनीकांत की अगली फिल्म का हिस्सा?

इंडस्ट्री में चर्चा है कि अभिनेत्री तृषा कृष्णन, नेल्सन दिलीपकुमार निर्देशित अगली फिल्म का हिस्सा बन सकती हैं। इस फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन लंबे वक्त बाद साथ काम करते नजर आएंगे। फिल्म के विषय पर कथित तौर से एक्ट्रेस से बातचीत चल रही है।

नेल्सन दिलीपकुमार की फिल्म का फैंस को बड़ा इंतजार है। इसका सबसे बड़ा कारण यह भी है कि यह मल्टीस्टारर है। फिल्म में रजनीकांत और कमल हासन अहम भूमिका में होंगे। अब सुनने में आया है कि तृषा भी इससे जुड़ सकती हैं। हालांकि, अब तक इस मामले पर निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मगर खबरों की मानें तो अभिनेत्री से प्रोजेक्ट पर बात चल रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रजनीकांत और कमल हसन की इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू हो सकती है। नेल्सन फिलहाल पटकथा, लोकेशन, कलाकारों और तकनीकी टीम पर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही इस फिल्म को अब तक का सबसे बड़ा तमिल प्रोजेक्ट बताया जा रहा है। फिलहाल, मेकर्स ने फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की जानकारी शेयर नहीं की है।

मौनी रॉय और सूरज नांबियार का तलाक कंफर्म, आपसी सहमति से लिया फैसला

अभिनेत्री मौनी रॉय और उनके पति सूरज नांबियार के तलाक को लेकर पिछले काफी समय से सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं और कयास जारी थे। इसी बीच, अभिनेत्री ने गुरुवार को इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट जारी करके तलाक को कंफर्म कर दिया। इंस्टाग्राम पर नोट शेयर करते हुए अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर पति से अलग होने की पुष्टि की। अभिनेत्री ने अपने नोट में इस बात को स्पष्ट किया कि वे और सूरज पिछले काफी समय से मीडिया और सोशल मीडिया पर निजी जिंदगी को लेकर हो रही चर्चाओं से काफी असहज महसूस कर रहे थे। उन्होंने लिखा, 'हम अपने निजी जीवन में मीडिया के कुछ लोगों द्वारा की जा रही बेवजह दखलअंदाजी और ज्यादा ध्यान दिए जाने से दुखी हैं। साथ ही, सभी को बताना चाहते हैं कि हमने अलग होने का फैसला लिया है और इस समय को शांति और समझदारी के साथ निजी तौर पर संभालना चाहते हैं।'

अभिनेत्री ने स्पष्ट किया कि उनकी निजी जिंदगी को लेकर कई झूठी बातें फैलाई जा रही थीं। उन्होंने लिखा, 'काफी समय से सोशल मीडिया पर हमारे निजी जीवन की बातें गलत तरीके से फैलाई जा रही हैं, जो हमारे रिश्ते की सच्चाई नहीं दिखाती। काफी सोच-विचार के बाद और अपनी बदलती प्राथमिकताओं को समझते हुए हमने आपसी सहमति से अलग रास्तों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है।' मौनी रॉय ने यह भी लिखा, 'इस समय को हम दोनों ही शांतिपूर्वक और निजी तरीके से संभालने पर ध्यान दे रहे हैं।' अभिनेत्री ने जोर देते हुए लिखा कि रिश्ता खत्म होने के बाद भी वे और सूरज उनके बीच दोस्ती को कायम रखने की कोशिश करेंगे। उन्होंने लिखा, 'इस दौरान हमारी प्राइवेसी का सम्मान करने और हमें लगातार प्यार व समर्थन देने के लिए आपका दिल से धन्यवाद।'

किसी ने मुझे दादा ओपी नय्यर का नाम इस्तेमाल नहीं करने दिया

दिवंगत म्यूजिक कंपोजर ओपी नय्यर की पोती निहारिका रायजादा साल 2010 में मिस यूके और फिर मिस इंडिया वर्ल्डवाइड रहीं। उनकी परवरिश लक्समबर्ग में हुई। उन्होंने मेडिकल साइंटिस्ट की पढ़ाई की है, पर 2013 से फिल्मी दुनिया में कदम रखे। उनकी पहली फिल्म बंगाली थी, जिसका नाम 'दामोदल' था। हालांकि, चर्चा उन्हें 'बेबी' और 'मसान' जैसी फिल्मों से मिली। साल 2025 में निहारिका फिल्म 'अद्रिका' में नजर आईं और इस साल 'मर्सी' में नजर आईं, जो अप्रैल में रिलीज हुई।

हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा

निहारिका रायजादा अब तक 'मसान', 'बेबी', 'टोटल धमाल' और 'सूर्यवंशी' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इन फिल्मों में बड़े सितारों के साथ काम करते हुए उन्होंने क्या सीखा? इसके जवाब में वह कहती हैं, 'मैंने हर कलाकार से कुछ न कुछ सीखा है। मसलन ओमपुरी जी इमोशनल आदमी थे, यहां तक कि इमोशंस से ही एक्टिंग करते थे, तो उनसे मैंने वह सीखा। रणवीर सिंह से मैंने सीखा कि इंसान को एक्टर बनने के लिए पैशनेट होना चाहिए। अक्षय (कुमार) सर सबसे बात करते हैं, बहुत बिंदास इंसान हैं और बहुत अनुशासित भी हैं। वह न स्मोकिंग करते हैं और ना ही शराब पीते हैं। तो अनुशासन और शरीर को कैसे मेंटेन करना है, यह मैंने उनसे सीखा। अजय देवगन सर से बिजनेस करना, सिनेमा हॉल्स का बिजनेस चलाना, प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनना जैसी चीजें मैंने समझीं।'

आदिल जी कमाल के हैं

निहारिका इन दिनों फिल्म 'मर्सी' में अपने रोल को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ दिग्गज कलाकार आदिल हुसैन नजर आ रहे हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर वह कहती हैं, 'आदिल जी से मैंने सीखा कि इतनी फिल्में करने के बाद भी आप विनम्र और साधारण कैसे बने रहें। उन्होंने 'इंग्लिश-विंग्लिश' और 'लाइफ ऑफ पाई' जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। लेकिन उन्हें देखकर पता लगता है कि इंसान जितना ज्यादा ऊपर पहुचंता है न, वह उतना ज्यादा सिंपल होता जाता है। वह फिलोसॉफर है, कई किताबें पढ़ चुके हैं। वह सेट पर अक्सर इम्प्रोवाइज करते थे और जिसे हम नैचुरल एक्टिंग कहते है, वह आदिल सर करते हैं। सच कहूं तो वह कमाल के हैं।'

'अपनी पहचान बनानी थी, दादा के नाम का सहारा नहीं लिया

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर नेपोटिज्म की बात होती है। लेकिन निहारिका को अभी तक वैसे मौके नहीं मिल पाए। आखिर क्यों उन्होंने अपने दादाजी के नाम का इस्तेमाल नहीं किया? इसके जवाब में निहारिका कहती हैं, 'क्योंकि किसी ने मुझे उसका इस्तेमाल करने नहीं दिया। हालांकि फिर भी मैंने बहुत अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और मुझे अपने डायरेक्टर्स पर गर्व है। मैं तो इसे भी खुशकिस्मती मानती हूं कि मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं, वरना बहुत लोग फिल्मों में काम करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें वह नसीब नहीं होता। हालांकि फिल्मी फैमिली से होने का फायदा कहीं न कहीं मिलता ही है। लेकिन उसका जो पोटेंशियल है, वह मेरे भी फायदे में नहीं आया।' वह आगे बताती हैं, 'मेरी शुरुआत दरअसल खुद की वजह से हुई थी क्योंकि मैं मिस इंडिया रह चुकी थी। मैंने ऑडिशन दिया और मुझे मौका मिल गया। लेकिन 'टोटल धमाल' मुझे जरूर फैमिली बैकग्राउंड की वजह से मिली थी। शुरू में मैं किसी को बताती ही नहीं थी कि मैं फिल्मी फैमिली से हूं क्योंकि मुझे अपनी पहचान खुद बनानी थी। मैं चाहती हूं कि मैं अपने परिचय से पहचानी जाऊं न कि अपने परिवार के जरिए।'

इच्छामृत्यु पर फैसला सावधानी और समझदारी से हो

निहारिका फिल्म 'मर्सी' में नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ समय पहले ही हरीश राणा की इच्छामृत्यु का केस काफी चर्चा में रहा। इस बारे में निहारिका क्या सोचती हैं? वह कहती हैं, 'मैं इच्छामृत्यु को गलत नहीं मानती। लेकिन यह जरूर मानती हूं कि एक व्यक्ति की हालत इतनी खराब है कि कोई और विकल्प नहीं है। तो जिस तरह हरीश राणा का खाना वगैरह विड्रॉल किया गया, तो उस तरह सम्मान के साथ हमारा न्यायालय फैसला ले सकता है। लेकिन यह फैसला सभी पहलुओं को देखते हुए बेहद सावधानी और समझदारी से अथॉरिटीज द्वारा लिया जाना चाहिए।'

मंत्री बघेल ने नागरिकों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

जनसमस्या निवारण शिविर में पहुँचे कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने तथा आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कुरा में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक दयाल दास बघेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं नागरिकों ने अपनी समस्याएं, मांगें और शिकायतें मंत्री श्री बघेल के समक्ष रखीं। मंत्री श्री बघेल ने सभी आवेदनों को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए मौके पर उपस्थित जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि आम जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर जिम्मेदारी और जवाबदेही तय की जाए।

समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

शिविर को संबोधित करते हुए मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार जनता की

समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जन समस्या निवारण शिविर केवल औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास एवं संवाद का सशक्त माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आवेदनों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राप्त शिकायतों और मांगों पर की गई कार्रवाई की समीक्षा वे स्वयं करेंगे। मंत्री श्री बघेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं को सहानुभूतिपूर्वक सुनते हुए उनका व्यवहारिक एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री श्री बघेल ने कहा कि जन समस्या निवारण शिविर केवल आवेदन लेने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं से लाभान्वित कर शासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का परिचय देना चाहिए। इसी कड़ी में शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को डिजिटल किसान किताब प्रदान की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 8 बालिकाओं को नोनी सुरक्षा योजना अंतर्गत पंजीयन प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं टीबी उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 5 मरीजों को निक्षय किट प्रदान की गई। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास पूर्ण होने पर 3 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश की शुभकामनाएं दी गईं। शिविर में हितग्राहियों के चेहरे पर खुशी और संतोष स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने की घोषणा

मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करने की घोषणा भी की। उन्होंने क्षेत्र के कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने की बात कही। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि कक्षा 12वीं के 16 मेधावी छात्र-छात्राओं को 10-10 हजार रुपए तथा कक्षा 10वीं के 8 छात्र-छात्राओं को 5-5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। मंत्री श्री बघेल ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियां पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय हैं तथा ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

समस्याओं के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश

मंत्री श्री बघेल ने जिला प्रशासन को निर्देशित किया कि ऐसे आवेदन जिनका निराकरण मौके पर संभव नहीं हो पाया है, उन पर तत्काल वास्तविक कार्रवाई प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि आवेदनों की जांच पूर्ण कर आवेदकों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं एवं राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं नागरिक उपस्थित रहे।

खास खबर

अपर कलेक्टर जगत ने जनदर्शन में सुनी समस्याएं, दिए कार्यवाही के निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर गुड्डूलाल जगत के द्वारा सोमवार को कलेक्टरेट स्थित कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी मांगों, समस्याओं एवं शिकायतों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनदर्शन के दौरान अपर कलेक्टर श्री जगत ने उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष पर एवं मौके पर बुलाकर आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। कई मामलों में समस्याओं का समाधान तत्काल मौके पर ही किया गया।

आज आयोजित जनदर्शन में विभिन्न शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित कुल 40 आवेदन प्राप्त हुए। तात्कालिक महत्व के मामलों का जहां शीघ्र निराकरण किया गया, वहीं गंभीर एवं जांच योग्य प्रकरणों को टीएल पंजी में दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनदर्शन में निराश्रित पेंशन, वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बैटरी चलित ट्रायसायकल, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, आम रास्ता खुलवाने सहित विभिन्न जनहित से जुड़ी समस्याओं के आवेदन भी प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर श्री जगत ने सभी आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों को नियमानुसार शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए तथा नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया।

सुशासन तिहार में चाकूबाजी से मचा हड़कंप सरपंच हुए घायल, युवक गिरफ्तार

डोंगरगढ़। राजनांदगांव जिले में डोंगरगढ़ के ग्राम पलांदूर में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान अचानक चाकूबाजी की घटना से हड़कंप मच गया। कार्यक्रम के बीच हुए हमले में गांव के सरपंच घायल हो गए। उनके पेट में चोट आई है, जिसके बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मिली जानकारी के अनुसार, कार्यक्रम में भाषण चल रहा था। इसी दौरान आरोपी जितेंद्र यादव ने अचानक सरपंच पर हमला कर दिया। घटना के तुरंत बाद वहां मौजूद ग्रामीणों और लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया। बाद में पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। घायल सरपंच को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। बता दें कि सुशासन तिहार के तहत राज्य सरकार गांव-गांव समाधान शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं के निराकरण का दावा कर रही है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों से सीधे संवाद किया जा रहा है।

लालबाग में मारपीट और हत्या के प्रयास के दो आरोपी हुए गिरफ्तार, फरसा जब्त

12 घंटे में पुलिस ने की कार्रवाई, तीसरा आरोपी फरार, दोनों हिस्ट्रीशीटर

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना लालबाग पुलिस ने मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में 12 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। घटना में प्रयुक्त फरसा नुमा लोहे का धारदार हथियार भी जब्त किया गया है। तीसरा आरोपी फरार है।

यह है मामला

प्रार्थी युवराज साहू निवासी अटल आवास पेंड्री ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 17 मई की रात करीब 8:45 बजे वह घर के पास मोबाइल पर बात कर रहा था। तभी मोहल्ले के विजय नेताम, दीपक उर्फ टिकली नेताम और जय उर्फ जया नेताम वहां पहुंचे। तीनों ने गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव

करने आए युवराज के माता-पिता से भी मारपीट की गई। इसी दौरान विजय नेताम ने टंगिया/फरसा से युवराज के पिता गिरधारी साहू के सिर पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल गिरधारी को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेंड्री ले जाया गया।

दो गिरफ्तार, एक फरार

थाना लालबाग में अपराध क्रमांक 207/2026 धारा 296, 115(2), 351(2), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। दीपक उर्फ टिकली नेताम उम्र 30 वर्ष और विजय नेताम उम्र 24 वर्ष दोनों निवासी अटल आवास पेण्ड्री को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। आरोपी के निशानदेही पर फरसा बरामद कर जब्त किया गया। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। तीसरा आरोपी जय उर्फ जया नेताम फरार है, उसकी तलाश जारी है।

आरोपी हैं आदतन अपराधी

पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी आदतन अपराधी हैं। विजय नेताम और जय उर्फ जया नेताम निगरानी बदमाश हिस्ट्रीशीटर हैं। कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल, सहायक उप निरीक्षक ईश्वर यादव, अश्वनी यदु, आरक्षक मुकेश सोनवानी, बर्मा प्रसाद घृतलहरे, लेखराम वर्मा, राकेश धुर्वे, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक मिलन सिंह और सायबर थाना प्रभारी निरीक्षक विनय पम्मार का योगदान रहा।

ट्रक से 90 हजार का सामान चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

थाना सोमनी पुलिस ने लंबे समय से फरार चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही अवैध शराब बेचने और सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों पर भी कार्रवाई की गई है।

ट्रक ड्राइवर ने की थी चोरी

प्रार्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका ड्राइवर कमलेश साहू ट्रक के दो नग टायर डिस्क, दो बैटरी, जैक, जैक रॉड, डीजल, लोहे का बत्ता 3 नग और लकड़ी पटिया 4 नग कुल कीमत 90,000 रुपये चोरी कर ले गया। मामले में केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही थी।

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन में टीम गठित की गई। तकनीकी और मुखबिर की मदद से आरोपी कमलेश साहू उर्फ सोनू पिता छोटेलाल साहू उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम

मतिहनी, थाना बहरी, जिला सीधी म.प्र. को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

नशे के विरुद्ध अभियान के तहत ग्राम सोमनी के सांकरा मोड़ के पास अवैध शराब बेच रहे इन्द्रेश देशलहरे पिता गणेश लहरे उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम ठेकवा को पकड़ा गया। उसके कब्जे से 16 पौवा देशी प्लेन मसाला शराब कुल 2880 एमएल कीमत 1600 रुपये और बिक्री रकम 200 रुपये जब्त की गई। आरोपी के खिलाफ धारा 34(ए)(ख) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

ग्राम ठेकवा और अंजोरा में सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वाले दुर्गादास साहू उम्र 26 वर्ष निवासी ठेकवा और किशन लाल साहू उम्र 57 वर्ष निवासी अंजोरा के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 36 च के तहत कार्रवाई की गई। कार्रवाई नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेंडर के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी निरीक्षक अरूण कुमार नामदेव के नेतृत्व में की गई।

कवर्धा में गुरुकुल के मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गुरुकुल पब्लिक स्कूल, कवर्धा सदैव ही अपने विद्यार्थियों की मेधा व प्रतिभा के सम्मान के लिए तत्पर है। इसी कड़ी में जिन विद्यार्थियों ने केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा 2026 में विज्ञान संकाय एवं वाणिज्य संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, उन्हें गुरुकुल परिवार की तरफ से विद्यालय सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

इन मेधावी छात्र-छात्राओं ने अपनी लगन एवं परिश्रम के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन कर शाला ही नहीं वरन जिले को गौरवान्वित किया है। मीडिया प्रभारी ने बताया कि वाणिज्य संकाय व विज्ञान संकाय में सवोच्च अंक लाकर जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल करने वाले अनंत जैन व प्रणव तिवारी सहित विधि अग्रवाल ,प्रीतम मंडल, शिक्षा गोस्वामी, आस्था शुक्ला,आरोही सिंह कुचवाहा, आलोक चंद्रवंशी,रुचि रोडेस्कर,प्रियल जैन, रागिनी पैंयकरा, शुभम अग्रवाल,रीतिका पात्रों, तथा प्रिंसी गुप्ता को प्रशस्ति पत्र सहित स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुकुल परिवार को अपने विद्यार्थियों पर गर्व है।विद्यालय के सभी विषयों के शिक्षकों ने अपनी कड़ी मेहनत एवं मार्गदर्शन के साथ छात्र-छात्राओं की विशेष सहभागिता से ही इस उपलब्धि की प्राप्ति हो सकी है। इस समारोह में प्राचार्य ने सभी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों को बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त की एवं कहा कि यह विद्यार्थीयों के उचित मार्ग दर्शन में पढ़ाई करने का सुपरिणाम है। इन मेधावी विद्यार्थियों से प्रेरित होकर भविष्य में भी विद्यालय के विद्यार्थी इसी प्रकार और इससे अच्छा प्रदर्शन कर शाला एवं जिले को राज्य स्तर पर गौरवान्वित करते रहेंगे। संस्था के अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारीगण ने सम्मानित छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ट्रांसपोर्ट दफ्तर में आगजनी की घटना

बलौदाबाजार। लवन बायपास रोड स्थित मनीषा ट्रांसपोर्ट के दफ्तर में मंगलवार देर रात बड़ी घटना हुई। अचानक आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना में वहां मौजूद टायर-ट्यूब, ट्रक पार्ट्स समेत लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। फिलहाल आग लगने का कारण अज्ञात है। जानकारी के मुताबिक, रात करीब 12 बजे ट्रांसपोर्ट कंपनी में आग लगने की सूचना मिली. सूचना मिलते ही नगर सेना बल बलौदाबाजार की टीम मौके पर पहुंची और दो फायर टेंडर की मदद से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

106 आरक्षक, 28 प्रधान आरक्षक, सहायक उप निरीक्षक 06 का हुआ तबादला

11 आरक्षक एवं प्रधान आरक्षक को भेजा गया रक्षित केन्द्र, इस नवीन स्थानांतरण से पुलिसिंग में और कसावट आएगी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के द्वारा प्रशासनिक दृष्टिकोण से रक्षित केंद्र, थाना /चौकी एवं अन्य शाखा में पदस्थ जिले के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का स्थानांतरण आदेश जारी किया गया है जिसमें प्रशासनिक दृष्टिकोण से रक्षित केंद्र, थाना /चौकी एवं अन्य शाखा में पदस्थ जिले के 106 आरक्षक, 28 प्रधान आरक्षक, सहायक उप निरीक्षक 06 सहित 140 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का तबादला किया गया हैं। जिसमें सहायक उप निरीक्षक उदल राम टाण्डेकर थाना बेमेतरा से थाना बेरला, मोहन लाल साहू यातायात बेमेतरा से थाना साजा, संतोष ध्रुर्वे पुलिस सहायता केन्द्र बिरनपुर से चौकी कंडरका, रघुवीर सिंह यातायात बेमेतरा से पुलिस सहायता केन्द्र बिरनपुर, बनवारी सोनकर थाना साजा से चौकी मारो, सउनि. जहीर खान रक्षित केन्द्र बेमेतरा यातायात बेमेतरा।

प्रधान आरक्षक: रविन्द्र तिवारी थाना नांदघाट से चौकी खण्डसरा, अनिल तिवारी डीसीबी/डीसीआरबी से थाना दाढ़ी, ललित केरकेट्टा चौकी देवकर से थाना परपोड़ी, सुरेन्द्र तिवारी चौकी देवकर से थाना खम्हरिया, विक्रम सिंह राजपूत थाना दाढ़ी से थाना चंदनू, शिवनंदन दिवाकर रक्षित केन्द्र से बेमेतरा चौकी खण्डसरा, अनंत कोठारी चौकी देवरबीजा से थाना बेमेतरा, विजेन्द्र सिंह थाना साजा से थाना बेमेतरा, जितेन्द्र सिंह चौकी कंडरका से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, नयनदास रात्रे थाना नांदघाट से थाना बेमेतरा, नरेन्द्र मनहर चौकी खण्डसरा से थाना बेरला, दिनेश मंडावी चौकी देवकर से चौकी कंडरका, अशोक तिर्की थाना नवागढ़ से थाना नांदघाट, शिवकुमार बंजारे चौकी खण्डसरा से चौकी मारो, रूपेन्द्र शर्मा चौकी मारो से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, फागेश्वर देशमुख थाना साजा से चौकी देवकर, जगदीश कोसरिया थाना बेरला से चौकी मारो, पोषण लाल साहू चौकी कंडरका से चौकी देवकर, अशरफ खान थाना दाढ़ी से थाना बेमेतरा, डामेश्वर सिंह थाना परपोड़ी से थाना बेरला, अवधेश सिंह ठाकुर थाना बेमेतरा से चौकी देवरबीजा, दीनानाथ यादव थाना बेरला से चौकी कंडरका, उमाशंकर ठाकुर चौकी देवकर से थाना साजा, रीना गायकवाड़ थाना बेमेतरा से चौकी देवरबीजा, शत्रुहन बंजारे चौकी मारो से थाना नवागढ़, सुरेश भारतेन्दु रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना अजाक, पंकज सिंह रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना दाढ़ी।

आरक्षक: कमलेश सोनवानी यातायात बेमेतरा से थाना बेमेतरा, योगेश साहू चौकी की देवकर चौकी कंडरका, दीपक डेहरे चौकी कंडरका से थाना बेमेतरा, दीनदयाल डहरिया थाना नांदघाट से चौकी देवकर, खोमलाल धीवर थाना परपोड़ी से चौकी खण्डसरा, रामाधीन ध्रुव रक्षित केन्द्र बेमेतरा से यातायात बेमेतरा, देवेन्द्र टंडन चौकी देवकर से चौकी खण्डसरा, प्रमोद बंजारे थाना बेरला से थाना साजा, प्रदीप कौशल थाना परपोड़ी से चौकी कंडरका, हेमन्त वर्मा थाना चंदनू से थाना बेमेतरा, चेतन वैष्णव चौकी मारो से थाना बेमेतरा, हुलेश साहू

रक्षित केन्द्र बेमेतरा से यातायात बेमेतरा, रामसिंह ठाकुर रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना साजा, चन्द्रकांत चौहान चौकी खण्डसरा से चौकी दाढ़ी, अनिल सोनकर थाना दाढ़ी से थाना खम्हरिया, नरेन्द्र बंजारे थाना नांदघाट से चौकी मारो, गोलू राम पटेल थाना साजा से थाना बेरला, राकेश सिंह यातायात बेमेतरा से थाना दाढ़ी, मनीष मिश्रा थाना बेमेतरा से थाना खम्हरिया, अमित यादव चौकी सबंलपुर से थाना चंदनू, दीपक ठाकुर थाना चंदनू से थाना परपोड़ी, हरिश ठाकुर रक्षित केन्द्र बेमेतरा से चौकी देवकर, कपिल चन्द्रवंशी थाना दाढ़ी से थाना खम्हरिया, अर्जुन ध्रुर्वे थाना साजा से थाना परपोड़ी, प्रितेश महिलांगे थाना बेरला से थाना बेमेतरा, प्रताप यादव थाना चंदनू से थाना नांदघाट, बालमुकुंद सिंह चौकी सबंलपुर से चौकी मारो, रोशन वर्मा चौकी खण्डसरा से चौकी देवरबीजा किया गया।

वहीं चन्द्रेश जोशी थाना नवागढ से थाना चंदनू, घनश्याम साहू रक्षित केन्द्र बेमेतरा से चौकी संबलपुर, राजू यादव थाना साजा से चौकी देवकर, बलराम साहू रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना बेरला, दिनदयाल मिरे चौकी देवरबीजा से चौकी कंडरका, गौरव सिंह रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना साजा, असलम खान थाना बेमेतरा से थाना परपोड़ी, तुषार पाटिल चौकी देवरबीजा से थाना बेमेतरा, मनीष देवांगन थाना खम्हरिया से थाना बेमेतरा, कैलाश पाटिल थाना नवागढ़ से थाना साजा, विक्रमजीत गेण्ड्रे रक्षित केन्द्र से चौकी संबलपुर, फत्ते पाटिल थाना चंदनू से थाना परपोड़ी, रतन श्रीवास चौकी देवकर से थाना दाढ़ी, यशवंत यादव चौकी कंडरका से थाना बेमेतरा, धनेश लहरे थाना दाढ़ी से थाना बेमेतरा, लेखूराम सिन्हा थाना खम्हरिया से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, दिनेश नेताम थाना साजा से थाना परपोड़ी, हेमन्त यदु थाना बेमेतरा से चौकी मारो, बसंत यादव यातायात बेमेतरा से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, संतोष साहू रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना नांदघाट, अमित निषाद थाना बेमेतरा से महिला सेल, रामगोपाल निषाद चौकी देवरबीजा से यातायात बेमेतरा, संदीप गायकवाड़ थाना बेरला से कंडरका, डागेश्वर वर्मा चौकी कंडरका से थाना बेरला, हेमन्त साहू चौकी कंडरका से थाना बेरला, मनीष वर्मा चौकी देवकर से थाना साजा, छोटूराम चौकी देवरबीजा से थाना बेमेतरा, रविन्द्र चन्द्रवंशी थाना अजाक से थाना परपोड़ी, दीपक सिंह चौकी देवकर से थाना परपोड़ी, पुकेश्वर दिल्लीवार थाना बेमेतरा से थाना नांदघाट, अजय साहू थाना परपोड़ी से चौकी कंडरका, ताम्रध्वज चतुर्वेदी थाना बेरला से चौकी कंडरका, श्रवण वर्मा थाना बेमेतरा से थाना बेरला किया गया।

वहीं भारत साहू थाना नवागढ़ से थाना चंदनू, अरूण वर्मा थाना साजा से थाना नांदघाट, अजय प्रताप सिंह थाना बेमेतरा से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, धर्मेन्द्र साहू थाना खम्हरिया से जिविशा, सुरेश नारंगे चौकी खण्डसरा से थाना बेमेतरा, नवीन राजपूत थाना परपोड़ी से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, अभिषेक सिंह थाना खम्हरिया से थाना नवागढ़, पंचराम घोरबंधे रक्षित केन्द् बेमेतरा से थाना खम्हरिया, लतमार ठाकुर थाना बेमेतरा से थाना, प्रदीप ठाकुर चौकी देवरबीजा से थाना बेमेतरा, दीपक साहू चौकी मारो से यातायात बेमेतरा, मिथलेश साहू थाना साजा से चौकी कंडरका, लक्ष्मी टंडन यातायात बेमेतरा से थाना बेमेतरा, ओमप्रकाश बांधे चौकी देवरबीजा से थाना बेमेतरा, शशांक शर्मा यातायात बेमेतरा से चौकी खण्डसरा, गोविन्द सिंह थाना चंदनू से थाना नांदघाट, संजय भगत रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना नांदघाट, भूषण मारकंडे चौकी देवकर से चौकी कंडरका, उपेन्द्र नेताम रक्षित केन्द्र से थाना नवागढ़, तारन दास घितोड़े थाना नवागढ़ से चौकी खण्डसरा, पूना सिंह राजपूत यातायात बेमेतरा से थाना बेमेतराकिया गया।

वहीं सतीश वर्मा थाना नांदघाट से थाना नवागढ़, नेमसिंह राजपूत थाना अजाक से थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा, राहुल दुबे थाना नवागढ चौकी से चौकी संबलपुर, रविकांत चन्द्रवंशी थाना नवागढ़ से चौकी संबलपुर, तारकेश्वर साहू चौकी कंडरका से चौकी देवरबीजा, राहुल सिंह थाना परपोड़ी से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, अर्जुन चन्द्राकर थाना बेमेतरा से थाना नवागढ़, हीराचंद्र गेण्ड्रे थाना खम्हरिया से चौकी देवरबीजा, संदीप साहू थाना बेमेतरा से चौकी देवरबीजा, गजानंद पटेल चौकी देवरबीजा से थाना नवागढ़, चुरावन पाल थाना बेमेतरा से थाना खम्हरिया, वासुदेव साहू थाना बेमेतरा से थाना बेरला, स्वपनिल पाण्डेय चौकी खण्डसरा से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, मुकेश चन्द्रवंशी थाना खम्हरिया से चौकी देवरबीजा, दिनेश साहू चौकी कंडरका से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, अमित सिंह थाना साजा से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, सुरेन्द् जांगड़े चौकी कंडरका से थाना बेरला, धनंजय सिंह चौकी सबंलपुर से थाना नवागढ़, सुरेश यादव थाना बेमेतरा से थाना खम्हरिया, महिला आरक्षक रामबती नेताम थाना बेमेतरा से थाना नवागढ़, द्रोपती ठाकुर चौकी देवरबीजा से चौकी खण्डसरा, भारती सिंह चौकी खण्डसरा से चौकी देवरबीजा, ऋतु यादव थाना बेमेतरा से रक्षित केन्द्र बेमेतरा, संध्या विश्वकर्मा रक्षित केन्द्र बेमेतरा से थाना बेमेतरा सहित अन्य कमर्चारियों का स्थानांतरण प्रशासनिक दृष्टिकोण से रक्षित केंद्र, थाना /चौकी एवं अन्य शाखा में पदस्थ जिले के 106 आरक्षक, 28 प्रधान आरक्षक, सहायक उप निरीक्षक 06 सहित 140 अधिकारियों एवं कमर्चारियों का फेरबदल किया गया है। *जिसमें से 11 आरक्षक एवं प्रधान आरक्षक को रक्षित केन्द्र भेजा गया एवं रक्षित केन्द्र बेमेतरा में लंबे समय से पदस्थ कमर्चारियों को थाना/चौकी में पदस्थ किया गया हैं। इस नवीन स्थानांतरण से पुलिसिंग में और कसावट आएगी।

संदिग्ध ओमनी कार से लाखों के चांदी की पायल जब्त, बंगाल के 5 आरोपी गिरफ्तार

दूसरे राज्य में बेचने की तैयारी, न्यायिक रिमांड पर भेजा गया जेल

नई दृष्टिबिंदु / सरगुजा

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में गांधीनगर पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध ओमनी कार से भारी मात्रा में अवैध सामान बरामद किया है। पुलिस ने कार की तलाशी के दौरान 110 स्मार्टफोन, 650 कीपैड मोबाइल और करीब 95.500 किलोग्राम धातु (चांदी) की पायल जब्त की है। बरामद सामान के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने पर कार में सवार पांच लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ग्रे रंग की ओमनी कार में कुछ लोग हाट-बाजारों से चोरी किए गए या अवैध रूप से जुटाए गए मोबाइल फोन लेकर दूसरे राज्य में बेचने की तैयारी में हैं। साथ ही इन मोबाइल फोन का उपयोग साइबर फ्रॉड और अन्य आपराधिक गतिविधियों में किए जाने की आशंका भी जताई गई थी। सूचना मिलते ही गांधीनगर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बनारस रोड पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू कर दी। इसी दौरान संदिग्ध ओमनी कार क्रमांक डब्ल्यूबी 58 बीपी 8233 को रोका गया। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो उसके भीतर प्लास्टिक की बोरियों में बड़ी संख्या में मोबाइल फोन और चांदी की पायल रखी हुई मिली। जांच के दौरान कार में मौजूद लोगों से सामान से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वे कोई संतोषजनक कागजात प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सेन्तु शेख (26 वर्ष), गफ्फार शेख (28 वर्ष), असिम शेख (23 वर्ष), इब्राहिम शेख (30 वर्ष) और माशदुल शेख (37 वर्ष) के रूप में हुई है। सभी आरोपी पश्चिम बंगाल के मुशिर्दाबाद जिले के हरिहरपाड़ा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों के निवासी हैं। पुलिस का कहना है कि बरामद मोबाइल फोन और चांदी की पायल की वास्तविक खरीद-बिक्री और इनके स्रोत की जांच की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि यह सामान चोरी, अवैध खरीद-बिक्री या साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। इस मामले में अन्य राज्यों से जुड़े कनेक्शन की भी जांच की जा रही है। गांधीनगर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 317(2), 317(3) और 3(5) के तहत अपराध क्रमांक 2283/2026 दर्ज कर लिया है। मामले की विस्तृत विवेचना जारी है और पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह गिरोह किन क्षेत्रों में सक्रिय था और किन लोगों से इसका संपर्क था।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण द्विवेदी के साथ सहायक उप निरीक्षक अभिषेक दूबे, आरक्षक राहुल सिंह, रमन मंडल, घनश्याम देवांगन, सत्यम सिंह और सुल्तान अहमद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वरिष्ठ अधिकारियों ने टीम की कार्रवाई की सराहना की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध गतिविधियों और साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। आने वाले दिनों में ऐसे मामलों के खिलाफ और सख्त अभियान चलाया जाएगा।

पुलिस ने किया 7 किलो से ज्यादा सोना बरामद, जांच के दौरान पकड़ाया

नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने बड़ी मात्रा में सोना पकड़ा है। वाहनों की जांच के दौरान चेकपोस्ट पर कार को रोककर जांच की गई जिसमें 7 किलों से ज्यादा सोना बरामद किया गया। इसकी कीमत भी 9 करोड़ से ज्यादा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार महासमुंद जिले की सिंघोड़ा पुलिस ने ठल्ठ-53 पर रेहटीखोल चेकपोस्ट के पास कार्रवाई की। पुलिस ने 7512.488 ग्राम सोने के आभूषण जब्त किए हैं जिनकी कीमत 9 करोड़ 27 लाख रुपये बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में गुजरात के तीन व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए व्यक्ति राजकोट, गुजरात के निवासी हैं। इनमें जयेश अकबरी, सुनीत कारेना और रूशी अग्रावात शामिल हैं। वे ओडिशा से छत्तीसगढ़ आ रही एक कार में थे। कार की पिछली सीट पर एक गुप्त चैंबर बनाकर सोना छिपाया गया था। इन आभूषणों के वैध दस्तावेज नहीं थे। सिंघोड़ा पुलिस ने यह मामला आयकर विभाग को सौंपा। राजस्व सूचना निदेशालय भी आगे की जांच करेगा।

रायपुर जिले के दर्जनभर पूर्व सरपंचों को जेल भेजने के निर्देश

रायपुर। अभनपुर विकासखंड के 11 पंचायतों के पूर्व सरपंचों को न्यायालय एसडीएम अभनपुर की ओर से 30 दिनों के लिए जेल भेजने का आदेश जारी किया गया है, जिससे हड़कंप मच गया है। यह आदेश उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय राशि का गबन और उस राशि को राजकोष में जमा करने के आदेश का उल्लंघन करने पर जारी किया गया है। 30 दिनों का जेल भेजने का आदेश जारी किए जाने के पहले उन सभी पूर्व सरपंचों को न्यायालय एसडीएम अभनपुर की ओर से मांग नोटिस जारी करने के साथ ही उनकी चल/अचल संपति जब्त करने की कार्रवाई भी गई थी, लेकिन इसके बावजूद संबंधित राशि चुकाने के लिए पर्याप्त साधन होने के बाद भी संबंधित पूर्व सरपंचों द्वारा गबन की गई शासकीय राशि जमा करने में हीलाहवाली किया जा रहा था। इतना ही नहीं एसडीएम न्यायालय द्वारा सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर उन्हें उनके कृत्य के लिए क्यों न जेल भेजा जाए ? भी पूछा गया था, लेकिन किसी भी पूर्व सरपंच ने नोटिस का संतोषजनक और वैधानिक उत्तर नहीं दिया। आखिरकार 18 मई को एसडीएम न्यायालय द्वारा सभी को 30 दिन या फिर जब तक वे संबंधित राशि जमा नहीं कर देते हैं, तब तक सिविल जेल भेजने का आदेश जारी कर दिया गया। जिन पूर्व सरपंचों के विरुद्ध इस आशय का आदेश जारी किया गया है उनमें सेवाराम यादव (पूर्व सरपंच घोंठ) 1 लाख 96 हजार रुपए, गोपाल ध्रुव (पूर्व सरपंच कुर्रु) 80 हजार रुपए, गोपेश ध्रुव (पूर्व सरपंच आलेखुंटा) 50 हजार रुपए, तुलसीराम बारले (पूर्व सरपंच खोला) 20 हजार 927 रूपए, रामेश्वर प्रसाद डहरिया (पूर्व सरपंच परसुलीडीह) 5 लाख 90 हजार 387 रुपए, थनवार बारले (पूर्व सरपंच पचेड़ा) 3 लाख 80 हजार रुपए, सावित्री यादव (पूर्व सरपंच गोतियारडीह) 2 लाख 47 हजार 34 रुपए, धर्मेंद्र यदु (पूर्व सरपंच चंपारण) 30 हजार 700 रुपए, राधेश्याम लहरी (पूर्व सरपंच घुसेरा) 80 हजार रुपए, तुकाराम कारले (पूर्व सरपंच भोथीडीह) 2 लाख रुपए और सेवेंद्र तारक (पूर्व सरपंच तोरला) 1 लाख 56 हजार 915 रुपए शामिल हैं । सडीएम अभनपुर ने बताया कि अगर संबंधित पूर्व सरपंच राशि जमा कर देते हैं तो उन्हें जेल नहीं जाना पड़ेगा ।

उर्स ड्यूटी पर तैनात यातायात पुलिस ने घायल महिला को पहुंचाया अस्पताल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

उर्स पाक ड्यूटी के दौरान यातायात पुलिस की तत्परता से सड़क हादसे में घायल महिला को समय पर इलाज मिला। पुलिस ने घायल महिला को पेट्रोलिंग वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

17 मई को यातायात निरीक्षक पी.डी. चंद्रा और स्टाफ उर्स पाक क्षेत्र में पेट्रोलिंग पर थे। इसी दौरान राजेंद्र पार्क चौक पर ई-रिक्शा और बुलेट मोटरसाइकिल के बीच टक्कर की सूचना मिली। टीम तत्काल मौके पर पहुंची। दुर्घटना में ई-रिक्शा क्रमांक CG07CR5041 और बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक CG09JQ2921 शामिल थे। ई-रिक्शा सवार हनुमान नगर निवासी 47 वर्षीय छाया तिवारी के पैर में फ्रैक्चर हो गया। यातायात पुलिस ने महिला को तुरंत पेट्रोलिंग वाहन से जिला अस्पताल दुर्ग पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए थाना मोहन नगर के सुपुर्द किया गया। कार्रवाई में यातायात निरीक्षक पी.डी. चंद्रा और पेट्रोलिंग स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही।

दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। सड़क दुर्घटना होने पर तत्काल पुलिस और आपातकालीन सेवाओं को सूचना दें ताकि समय पर मदद पहुंचाई जा सके।

भिलाई में 78 लाख की सड़क महापौर की लात से उखड़ी, भ्रष्टाचार उजागर

ठेकेदार एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट, इंजीनियरों पर कार्रवाई के निर्देश, अवैध प्लॉटिंग के लिए सड़क बनाने का आरोप

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम में 78 लाख रुपये की लागत से बनी डामर रोड की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठे हैं। महापौर नीरज पाल के औचक निरीक्षण में सड़क इतनी कमजोर मिली कि उनके पैर मारने से डामर की परत उखड़ गई। महापौर ने निर्माण एजेंसी मेसर्स शशांक जैन डोमरगढ़ को एक साल के लिए ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया है।

5 मिनट में उखड़ गई गिट्टियां

महापौर नीरज पाल ग्राउंड जीरो पर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सड़क की गुणवत्ता बेहद खराब थी। जूते की नोंक से करीब 20 वर्ग फीट क्षेत्र की गिट्टियां 5 मिनट में उखड़ गईं। मौके पर मौजूद कार्यपालन अभियंता अरविंद शर्मा ने बताया कि ठेकेदार को खराब सड़क उखाड़कर दोबारा डामर करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन काम नहीं हुआ।

अधिकारियों पर कार्रवाई के निर्देश

महापौर ने ईई अरविंद शर्मा को फटकार लगाई और नोटशीट तैयार करने को कहा। उप अभियंता अशोक देवांगन और सहायक अभियंता श्वेता वर्मा के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त वैश लहरे मौके पर मौजूद नहीं थे। महापौर ने उन्हें तलब कर पूछा कि निर्देश के बावजूद इंजीनियर मौके पर क्यों नहीं आए।

आबादी नहीं, फिर भी बन रही थी सड़क

महापौर ने सवाल उठाया कि वार्ड 22 में शीतला तालाब के दक्षिण में सड़क किसके लिए बन रही है, जबकि वहां आबादी नहीं है। अधिकारियों ने माना कि पहले यह सड़क वार्ड 21 में बननी थी। राजनीतिक दबाव में रूट बदलकर वार्ड 22 में बनाया गया। जोन-2 के कमिश्नर ने माना कि सड़क के किनारे बड़े पैमाने पर अवैध प्लॉटिंग हुई है। वहां निरीक्षण कर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

ठेकेदार को मिली थी समय वृद्धि

ठेकेदार को फरवरी 2025 में वर्क ऑर्डर मिला था। काम 24 फरवरी 2026 तक पूरा होना था, लेकिन नहीं हुआ। अधिकारियों ने 31 मई 2026 तक समय बढ़ा दिया। 8 मई 2026 को खराब रोड उखाड़कर दोबारा बनाने का निर्देश दिया गया, लेकिन ठेकेदार ने आदेश नहीं माना।

महापौर ने कलेक्टर दुर्ग से उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने आयुक्त की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए कि जमीनी स्तर पर हो रहे भ्रष्टाचार का निरीक्षण क्यों नहीं किया जाता।

स्पाइन मरीजों के लिए सरकारी हॉस्पिटल में विशेष ओपीडी शुरू

नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

रीढ़ और स्पाइन से जुड़ी बीमारियों से परेशान मरीजों के लिए अब बिलासपुर में विशेष उपचार सुविधा उपलब्ध होगी। कोनी स्थित स्व. दिलीप सिंह जूदेव शासकीय सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्पाइन रोगियों के लिए विशेष ओपीडी शुरू की गई है।

यह ओपीडी प्रत्येक बुधवार और शनिवार को संचालित होगी, जहां मरीजों की जांच, परामर्श और उपचार विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, स्पाइन सर्जरी और न्यूरो सर्जरी के विशेषज्ञ डॉक्टर मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक उपचार और सलाह देंगे। इससे रीढ़ की हड्डी, नसों और कमर से जुड़ी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार कमर दर्द, गर्दन दर्द, हाथ-पैरों में झनझनाहट, चलने में कठिनाई, साइटिका, डिस्क प्रोलैप्स, बच्चों और किशोरों में रीढ़ की विकृति तथा ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए। समय रहते जांच और इलाज नहीं कराने पर ये बीमारियां गंभीर रूप ले सकती हैं। अस्पताल प्रबंधन ने लोगों से अपील की है कि ऐसे किसी भी लक्षण के दिखाई देने पर देरी न करें और निर्धारित दिनों में अस्पताल पहुंचकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लें।

रेड सिग्नल तोड़कर दो की जान लेने वाला कार चालक सागर जायसवाल चढ़ा पुलिस के हत्थे

सुपेला चौक पर नशे में रफ्तार से मारी थी टक्कर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सुपेला थाना क्षेत्र के चंद्रा मौर्या चौक पर रेड सिग्नल तोड़कर दोपहिया वाहनों को टक्कर मारने वाले कार चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में दो लोगों की मौत हुई थी और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। आरोपी पर आपराधिक मानव वध का केस दर्ज किया गया है।

यह है मामला

17 मई को दोपहर करीब 2:38 बजे काले रंग की फोर्ड कार क्रमांक उऋ-07-इफ-0571 के चालक ने रेड सिग्नल को अनदेखा करते हुए तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाया। कार ने सिग्नल पर खड़े मोटरसाइकिल और स्कूटी सवारों को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में नूर खान और मनोहर कुमार गोनाडे की मौत हो गई, जबकि सलीम अली गंभीर रूप से घायल हो गया।

पहले भी जा चुका है जेल

गिरफ्तार आरोपी सागर जायसवाल उम्र 28 वर्ष, निवासी मकान नंबर बी/70 आम्रपाली वनांचल सिटी, थाना जामुल का है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे में गाड़ी चला रहा था। जांच में पता चला कि आरोपी के खिलाफ थाना मोहन नगर में अपराध क्रमांक 460/2025 धारा 21 एनडीपीएस एक्ट के तहत पहले से केस दर्ज है। वह पूर्व में चिट्टा के साथ थाना वैशाली नगर से भी गिरफ्तार हो चुका है।

प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 695/2026 धारा 128, 125(ए), 105 बीएनएस एवं 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। घटना के बाद फरार आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त फोर्ड कार को मय दस्तावेज जब्त किया गया है।

कार्रवाई में निरीक्षक विजय कुमार यादव, सउनि राजेश तिवारी, पूरनलाल साहू, प्रधान आरक्षक योगेश चन्द्राकर, आरक्षक अजीत यादव, दुर्गेश सिंह राजपूत और मिथलेश साहू की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और तेज गति व लापरवाही से वाहन न चलाने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100